RNI No.UPHIN/2021/82019

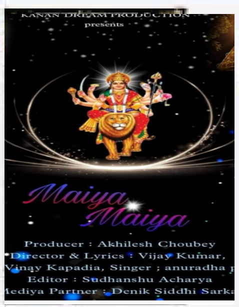

दैनिक सिद्धि सरकार

वर्ष :5 | अंक:305 | WWW.Siddhisarkar.com | ललितपुर 22 जुलाई बुधवार 2026 | पृष्ठ:12 मूल्य :3 रुपये

PM मोदी के घर के बाहर कांग्रेस का सरप्राइज प्रोटेस्ट!

क्या राहुल गांधी का धरना धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा दिलाएगा?

नई दिल्ली की सड़कों पर सियासी पारा एक बार फिर चढ़ गया. चलो संसद मार्च के अगले दिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ देश के सबसे संवेदनशील इलाके में धरना दे दिया. यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर 7, लोक कल्याण मार्ग के बाहर. कांग्रेस का धरना CJP के आंदोलन की पीठ थपथपा रहा है. अब यह लड़ाई सरकार बनाम विपक्ष बन चुकी है. ऐसे में क्या धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा लिखने को मजबूर हो जाएंगे और यह मुद्दा कैसे राजनीतिक बन गया...

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल और पवन खेड़ा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताPMआवास के बाहर धरने पर बैठ गए. कांग्रेस का यह प्रदर्शन बेहद सीक्रेट रहा. राहुल समेत सभी नेता कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर से PMआवास तक पैदल मार्च करके पहुंचे. जब ये लोग 100 मीटर दूर थे तब मीडिया को जानकारी दी गई. उनके हाथों में तख्तियां थीं और मुंह पर प्रधानमंत्री इस्तीफा दो के नारे थे. कांग्रेस ने मांग की-

राहुल गांधी ने इस मौके पर सरकार पर जमकर निशाना साधा. सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हम कल की युवाओं के खिलाफ हुई क्रूरता का जवाब मांगने मोदी के घर आए हैं. सरकार न तो कोई जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर बहस करना चाहती है.PMऔर गृह मंत्री को भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद करने के लिए इस्तीफा देना चाहिए.

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को देश का सबसे युवा विरोधी प्रधानमंत्रीकरार दिया. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, पेपर लीक के जिम्मेदार लोग आजाद घूम रहे हैं, जबकि शांतिपूर्वक विरोध करने वाले छात्रों को पीटा जा रहा है.पॉलिटिकल एक्सपर्ट रशीद किदवई इस सवाल के जवाब में नहीं कहते हैं. उन्होंने कहा, कांग्रेस का सड़क पर

उतरना और PM आवास के बाहर धरना देना निश्चित रूप से एक बड़ा राजनीतिक दबाव है. लेकिन इस्तीफा तभी होता है जब सरकार या मंत्री खुद को असहज महसूस करें या विपक्ष उसे मजबूर कर दे.

रशीद किदवई इस्तीफा न होने की तीन बड़ी वजहें बताते ह-सरकार का मजबूत रुख- सरकार ने अब तक कोई नरमी नहीं दिखाई है. प्रधानमंत्री मोदी ने खुद धर्मेंद्र प्रधान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, जो इस्तीफे की अटकलों को खारिज करने जैसा था.धर्मेंद्र प्रधान का बयान- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने CJP को आतंकवादियों की टीम करार दिया था. यह साफ संकेत था कि सरकार आंदोलन को गंभीरता से नहीं ले रही है.

संसदीय गणित- सरकार के पास लोकसभा में बहुमत है और विपक्ष की एकजुटता भी पूरी तरह से मजबूत नहीं है. कांग्रेस का यह कदम भले ही सुर्खियां बटोर रहा हो, लेकिन सरकार पर इस्तीफा देने का कोई कानूनी या संख्यात्मक दबाव नहीं है.कांग्रेस के समर्थन से कितनी बदलेगी तस्वीर?

सोनम वांगचुक की स्थिति- सोनम वांगचुक ने साफ कहा है कि वह तब तक अनशन जारी रखेंगे जब तक युवा नेताओं को संसद में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती. कांग्रेस का समर्थन भले ही आंदोलन को बड़ा करे, लेकिन सोनम की व्यक्तिगत लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है.

दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं-लोक कल्याण मार्ग पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है. यह एक बहुत संवेदनशील और VVIP इलाका है. यहां अक्सर निषेधाज्ञा लागू रहती है, जिसके तहत 5 या उससे अधिक लोगों के एक साथ इकट्ठा होने या मार्च निकालने पर सख्त पाबंदी होती है. प्रधानमंत्री आवास की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा समूह (SPG) तैनात रहता है, जिसे दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों (पैरामिलिट्री फोर्सेज) का सहयोग मिलता है.

डूंगरपुर में दुबई से चल रहा था 160 करोड़ का साइबर फ्रॉड, मास्टरमाइंड दबोचा गया

राजस्थान की डूंगरपुर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ एक ऐतिहासिक और बड़ी कामयाबी हासिल की है. पुलिस ने करोड़ों रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर लिया है. यह शातिर आरोपी दुबई में बैठकर भारत के भोले-भाले लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल कर लगभग 160 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था.

डूंगरपुर के जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान ÷ऑपरेशन म्यूल हंटर÷ के तहत साइबर थाना पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया. गिरफ्तार किए गए मास्टरमाइंड का नाम घनश्याम कलाल (33 वर्ष) है, जो डूंगरपुर के सीमलवाड़ा का रहने वाला है और लंबे समय से फरार चल रहा था.आरोपी हाल ही में दुबई से नेपाल और भूटान के रास्ते छिपते हुए भारत लौटा था. पुलिस ने तकनीकी

और पारंपरिक सर्विलांस की मदद से 20 जुलाई को उसे उदयपुर के पास बलीचा क्षेत्र से दबोच लिया. इस गिरोह के पांच अन्य गुर्गों को पुलिस पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है.ऐसे बिछाता था ठगी का जाल -पुलिस जांच में इस हाई-टेक ठगी के काम करने का चौंकाने वाला तरीका सामने आया है- भोले-भाले लोगों को निशाना- आरोपी कॉलेज के छात्रों और ग्रामीण क्षेत्रों के सीधे-सादे लोगों को सरकारी योजनाओं, फ्री पैन कार्ड, स्कॉलरशिप और लोन दिलाने का झूठा लालच देता था. खाते खुलवाकर करता था कब्जा- इन लालचों के जरिए वह लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाता था और उनकी चेकबुक, एटीएम (ञ्जरू), डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग आईडी-पासवर्ड और लिंक्ड मोबाइल नंबर अपने कब्जे में ले लेता था. दुबई और कुवैत कनेक्शन- इसके बाद वह इन खातों की सारी डिटेल्स दुबई और कुवैत में बैठे अपने आकाओं (साइबर ठगों) को भेज देता था.

450 खातों से 160 करोड़ का अवैध लेन-देन-इन किराये के बैंक खातों का इस्तेमाल शेयर मार्केट, ट्रेडिंग, क्रिप्टोकरेंसी और बेटिंग (सट्टा) ऐप्स के नाम पर देशभर के लोगों से ठगी गई रकम को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था.पुलिस के अनुसार, गिरोह ने अब तक 450 से अधिक बैंक खाते खुलवाकर करीब 160 करोड़ रुपये के अवैध लेन-देन को अंजाम दिया है. ठगी का यह पूरा नेटवर्क टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए कई राज्यों में फैला हुआ था.

ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ कमिश्नर कोर्ट पहुंचा जौहर यूनिवर्सिटी प्रबंधन, 28 जुलाई को होगी सुनवाई

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को गिराने के रामपुर विकास प्राधिकरण (ऋष्ठ) के आदेश के खिलाफ जौहर यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने मुरादाबाद के मंडलायुक्त (कमिश्नर) की अदालत में अपील दायर की. आरडीए ने 15 जुलाई को इन इमारतों को बिना नक्शे के अवैध निर्माण करार दिया था, साथ ही इसे 15 दिन के भीतर हटाने का निर्देश दिया गया था. मंडलायुक्त की अदालत ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन की याचिका मंजूर कर ली है, 28 जुलाई को इस मामले की सुनवाई मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह की अदालत में होगी.दरअसल, रामपुर विकास प्राधिकरण ने सपा नेता आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी में बिना नक्शे के बनाए गए 38 भवनों को ध्वस्त करने का आदेश दिया है.

जालौर में लॉरेंस गैंग के नाम से धमकी, कारोबारी से की 1 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग, जांच की शुरू

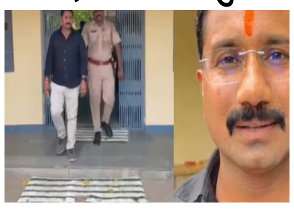

राजस्थान के जालौर जिले के सांचौर कस्बे में एक बार फिर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है. इस बार राव मार्केट स्थित एक मोबाइल कारोबारी से विदेशी नंबरों के जरिए 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई. रकम नहीं देने पर कारोबारी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है. मामले की गंभीरता को देखते हुए सांचौर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार, सांचौर की मुमादेवी कॉलोनी निवासी ओमाराम ने रिपोर्ट में बताया कि 13 जुलाई को उसके मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया. कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए 1 करोड़ रुपए की मांग की. आरोपी ने चेतावनी दी कि यदि रकम नहीं दी गई तो उसे और उसके परिवार को गंभीर अंजाम भुगतने होंगे.

अलग-अलग विदेशी नंबरों से व्हाट्सएप आई कॉल -पीड़ति ने बताया कि 14 जुलाई को अलग-अलग विदेशी नंबरों से कई व्हाट्सएप कॉल आए, जिन्हें उसने रिसीव नहीं किया. इसके बाद 15 जुलाई को एक अन्य नंबर से कॉल आने पर जवाब नहीं देने पर आरोपी ने दो वॉइस मैसेज भेजे. इन संदेशों में फिरौती नहीं देने और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई. 19 जुलाई को एक बार फिर विदेशी नंबर से कॉल कर आरोपी ने 1 करोड़ रुपए की मांग दोहराई और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी.

पुलिस ने शुरू की जांच-धमकियों से परेशान कारोबारी ने सांचौर थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. पुलिस ने तकनीकी टीम की मदद से विदेशी नंबरों, व्हाट्सएप कॉल और वॉइस मैसेज की जांच शुरू कर दी है. आरोपियों की पहचान और लोकेशन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है.घटना के बाद कारोबारी की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उसके घर व आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है. थानाधिकारी नेमाराम ने बताया कि रंगदारी मांगने और धमकी देने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है तथा पीड़ति को आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है.

सिक्किम में निर्माणाधीन सुरंग हादसे में गई 10 मजदूरों की जान, PM मोदी ने जताया दुख, किया मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सिक्किम के नामची में स्थित एक निर्माणाधीन सुरंग के ढहने की वजह से हुई लोगों की मौत पर दुख जताया है और दुर्घटना में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की है. इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने हादसे में मरने वाले लोगों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा भी कही है.

प्रधानमंत्री ने किया मुआवजे का ऐलान-पीएम मोदी ने मंगलवार (21 जुलाई, 2026) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया. पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'सिक्किम के नाचमी में निर्माणाधीन सुरंग के ढहने से जिन लोगों की मौत हुई है, उससे मैं बहुत दुखी हूं. मेरी संवेदनाओं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं. मैं दुर्घटना में घायल लोगों के जल्द से जल्द स्वस्थ के लिए भी प्रार्थना करता हूं.'

उन्होंने कहा, 'सुरंग दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक पीड़ति के परिवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख का मुआवजा दिया जाएगा. वहीं, प्रत्येक घायल को 50 हजार की सहायता राशि दी जाएगी.'

सुरंग दुर्घटना में 10 लोगों की गई जान, शव बरामद -वहीं, केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली नवरत्न कंपनियों में से एक लिमिटेड ने इस दुर्घटना के बारे में एक आधिकारिक बयान जारी किया है. बयान में कंपनी ने कहा कि साउथ सिक्किम के सुमरदुंग स्थित की तीस्ता स्टेज-6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की निर्माणाधीन हेड रेस टनल के अंदर सोमवार (20 जुलाई, 2026) को दोपहर करीब एक बजे पत्थरों में फंसी संदिग्ध मेथेन गैस के अचानक फटने से एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी. इस विस्फोट की वजह से सुरंग में गहरा काला धुआं और जहरीली गैस फैल गई.' कंपनी ने बताया, 'घटनास्थल से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, सुरंग के अंदर कुल 25 कर्मचारी फंसे हुए थे, जिनमें से अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है. उनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं. वहीं, घटना के मुख्य कारणों का पता लगाने के लिए आगे विस्तार से जांच कराई जाएगी. हम सभी रेस्क्यू एजेंसियों और प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद पहुंचाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं. इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है.'

लायंस क्लब ललितपुर सेवा की पहली सामान्य सभा संपन्न

सेवा और पर्यावरण संरक्षण पर बनी कार्ययोजना

हांगकांग इंटरनेशनल कन्वेंशन के अनुभव साझा किए गए

26 जुलाई को वृहद वृक्षारोपण और सेवा प्रकल्पों सहित कई प्रस्ताव पारित

ललितपुर। लायंस क्लब ललितपुर सेवा की सत्र 2026-27 की प्रथम सामान्य सभा एक होटल में क्लब अध्यक्ष लायन संजीव जैन ममता स्पोर्ट्स की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सेवा, संगठन सुदृढ़ीकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आगामी वर्ष की कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया। सभा में आई.पी.डी.जी. एमजेएफ लायन सनमती सर्राफ का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी पर विश्वास जताते हुए अध्यक्ष लायन संजीव जैन एवं उनकी टीम को सफल और जनसेवा के प्रति समर्पित कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि लायन सनमती सर्राफ ने हाल ही में हांगकांग में आयोजित लायंस इंटरनेशनल कन्वेंशन में प्राप्त अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीखे गए सेवा कार्यों और नेतृत्व के अनुभवों को स्थानीय स्तर पर लागू करना ही लायंस आंदोलन की वास्तविक सफलता है। उन्होंने सेवा कार्यों के विस्तार, सदस्यता वृद्धि, नेतृत्व विकास और पर्यावरण संरक्षण को क्लब की प्राथमिकता बताते हुए सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित सदस्यों को इंटरनेशनल कन्वेंशन पिन भी प्रदान किए। बैठक में सर्वसम्मति से 26 जुलाई को श्री वर्णी जैन कॉन्वेंट स्कूल में वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही विद्यार्थियों के बीच पर्यावरण संरक्षण विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराने, क्लब की वार्षिक कार्ययोजना, बजट और सदस्यता शुल्क को मंजूरी देने तथा प्रत्येक माह पारिवारिक मिलन कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके अलावा यह भी निर्णय लिया गया कि एमजेएफ लायन रविन्द्र अलया अपने पूज्य पिताश्री की स्मृति में 13 नवंबर को एक विशेष सेवा प्रकल्प का आयोजन करेंगे, जिसमें समाजहित के विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। संचालन क्लब के सचिव लायन डा.संदीप श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान लायन डा. ए.के. अग्रवाल, लायन डा.अनिल सूर्यवंशी, ला. मनोज जैन, ला.सतवंत सिंह, ला.अभय कुमार जैन, ला.पुष्पेंद्र जैन, ला.डा.राजेन्द्र साहू, ला. राजीव पटवारी, ला. डा.दीपक चौबे, ला. लोकेश गोयल, ला. विनोद जायसवाल, ला. प्रवीण जैन, ला. विकास समैया सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

जिला बार एसोसिएशन ललितपुर चुनाव 2026

अध्यक्ष पद पर राजेश कुमार देवलिया विजयी, लखनलाल यादव बने महामंत्री

ललितपुर। जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मतगणना पूर्ण होने के उपरांत विभिन्न पदों पर निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की गई। घोषित परिणामों के अनुसार अध्यक्ष पद पर अधिवक्ता राजेश कुमार देवलिया ने विजय प्राप्त की। वहीं महामंत्री पद पर अधिवक्ता लखनलाल यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अधिवक्ता कैलाश बाबू समैया तथा कोषाध्यक्ष पद पर अधिवक्ता अर्चना परमार निर्वाचित घोषित किए गए। परिणामों की घोषणा होते ही समर्थकों एवं अधिवक्ताओं ने विजयी प्रत्याशियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें बधाई दी। कचहरी परिसर में खुशी का माहौल रहा और अधिवक्ताओं ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों से बार एसोसिएशन की गरिमा, अधिवक्ता हितों की रक्षा तथा न्यायिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी नेतृत्व प्रदान करने की अपेक्षा व्यक्त की। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी अधिवक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह बिना किसी भेदभाव के बार के प्रत्येक सदस्य के हितों की रक्षा, संगठन की एकता तथा अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे।

सपाईयों ने खून से पत्र लिखकर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा

पेपर लीक मामले को लेकर समाजवादी युवजन सभा एवं छात्रसभा ने किया प्रदर्शन

ललितपुर। दिल्ली के जंतर मंतर मैदान में नीट पेपर सहित अन्य पेपर लीक होने के मामले को लेकर छात्रों द्वारा लगातार केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। वहीं दिल्ली में अपनी मांगों को शांतिपूर्वक तरीके से उठा रहे छात्र छात्राओं पर पुलिस ने बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया है। जिससे पूरे देश में केन्द्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। इसको लेकर ललितपुर में समाजवादी युवजन सभा के साथ छात्रसभा ने भी प्रदर्शन किया। समाजवादी युवजन सभा जिलाध्यक्ष अरशद एवं समाजवादी छात्रसभा जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से अपने खून से पत्र लिखकर जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को भेजा है। जिसमें उन्होंने भारत की शिक्षा प्रणाली पर सवाल उठाते हुए उसे दुरूस्त कराने की मांग सहित केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगा है। इस दौरान छात्रसभा जिला महासचिव रवि खटीक, नीलू रजक, यादवेन्द्र यादव फौजपुरा, विजय पाल, विक्की रजक, नसीर खान, रजत घावरी, अमन मंसूरी आदि मौजूद रहे।

डा.तेजस्व श्रीवास्तव प्रकरण में कायस्थ समाज ने डीएम और एसपी को सौंपा ज्ञापन

श्री चित्रगुप्त कायस्थ सभा ने एफआईआर को बताया संदिग्ध आरोप निराधार पाए जाने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई की उठाई मांग

ललितपुर। नगर के चिकित्सक डा.तेजस्व श्रीवास्तव के विरुद्ध दर्ज मुकदमे को लेकर मंगलवार को श्रीचित्रगुप्त कायस्थ सभा के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को पृथक-पृथक ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराने की मांग की। सभा की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि थाना कोतवाली में एफआईआर संख्या 0801/2026 दिनांक 18 जुलाई 2026 को भारतीय न्याय संहिता एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं में डा.तेजस्व श्रीवास्तव के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। ज्ञापन में दावा किया गया कि चिकित्सक लंबे समय से जनपद में चिकित्सा सेवा से जुड़े हुए हैं और उनकी सामाजिक छवि निष्कलंक रही है। सभा का कहना है कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध एवं तथ्यों से परे प्रतीत होता है। प्रतिनिधिमंडल ने आशंका व्यक्त की कि व्यक्तिगत विवाद या अन्य कारणों से कानून के प्रावधानों का दुरुपयोग कर उन्हें झूठे मामले में फंसाने का प्रयास किया गया है। ज्ञापन में कहा गया कि ऐसे मामलों का किसी व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा और पेशेवर जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, इसलिए निष्पक्ष जांच

कराना न्यायहित में आवश्यक है। सभा ने प्रशासन से मांग की कि मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी, जैसे क्षेत्राधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक अथवा अन्य सक्षम अधिकारी से कराई जाए। साथ ही जांच के दौरान इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, कॉल रिकॉर्ड, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों का निष्पक्ष परीक्षण किया जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि यदि जांच में आरोप असत्य, निराधार या दुर्भावनापूर्ण पाए जाते हैं, तो संबंधित शिकायतकर्ता के विरुद्ध भी विधि के अनुसार एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मामलों में फंसाने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके। श्रीचित्रगुप्त कायस्थ सभा ने यह भी कहा कि यदि समाज के प्रतिष्ठित एवं सेवा-भाव से कार्य करने वाले लोगों को इस प्रकार के मामलों में प्रताड़ित किया जाएगा, तो समाज में विश्वास एवं सौहार्द प्रभावित होगा। साथ ही रोजगार देने वाले लोग भी अनावश्यक विवादों की आशंका से पीछे हट सकते हैं, जिसका असर रोजगार के अवसरों पर पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया कि मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराकर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर न्यायोचित निर्णय लिया जाए।

वृक्षारोपण महाअभियान-2026ललितपुर में स्थापित होगा कपि वन, एक दिन में लगाए गए 6 हजार फलदार पौधे

सुम्मेरा तालाब और वृद्धाश्रम परिसर में आम, अमरूद, कटहल व सीताफल सहित विभिन्न प्रजातियों का रोपण

नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने नागरिकों से किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

ललितपुर। वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के तहत नगर पालिका परिषद द्वारा नगर क्षेत्र में कपि वन की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 6 हजार फलदार पौधों का रोपण किया गया। यह पौधरोपण वार्ड संख्या-20 के तालाबपुरा स्थित सुम्मेरा तालाब एवं वृद्धाश्रम परिसर के आसपास किया गया। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष सोनाली जैन, अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा, वन विभाग के अधिकारी एवं नगर पालिका कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन, जैव विविधता के संवर्धन और हरित क्षेत्र के विस्तार के उद्देश्य से नगर क्षेत्र में विशिष्ट वनों की स्थापना की जा रही है। इसी योजना के अंतर्गत कपि वन विकसित करने के लिए फलदार पौधों का रोपण किया गया है। अभियान के तहत सुम्मेरा तालाब परिसर में 1,000 तथा वृद्धाश्रम के समीप 5,000 पौधे लगाया गया। इस प्रकार

एक ही दिन में कुल 6,000 फलदार पौधों का रोपण किया गया। लगाए गए पौधों में आम, अमरूद, कटहल, सीताफल सहित विभिन्न फलदार प्रजातियां शामिल हैं, जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पक्षियों एवं वन्य जीवों के लिए भी उपयोगी साबित होंगी। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन की आधारशिला हैं। वृक्ष न केवल शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ वातावरण और छाया प्रदान करते हैं, बल्कि जल संरक्षण और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण वैश्विक आवश्यकता बन चुका है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प ले। उन्होंने बताया कि कपि वन योजना के तहत लगाए गए फलदार पौधे भविष्य में हरित क्षेत्र को बढ़ाने के साथ-साथ जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा, क्षेत्रीय वन अधिकारी रोहित यादव, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी मनीष कुमार गौण, पार्षद प्रतिनिधि अमरदीप रजक, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लिपिक रमाकांत तिवारी, नजूल लिपिक सुधीर कुमार रावत, सतेन्द्र रिछारिया, सुधांशु मालवीय, कृष्णपाल सिंह, सुरेन्द्र सिंह यादव, मुकेश यादव सहित नगर पालिका परिषद एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

शिक्षामित्रों ने बीएसए को सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन

स्थानांतरण और समय पर मानदेय की उठाई मांग

जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मिला

लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग

ललितपुर। आदर्श समायोजित शिक्षक/शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले मंगलवार को शिक्षामित्रों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष भगवत सिंह बैंस के नेतृत्व में बीएसए रत्नेश कुमार से मुलाकात कर पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने लंबे समय से लंबित समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग करते हुए कहा कि पूर्व में भी इन मुद्दों से विभाग को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षामित्रों के स्थानांतरण एवं समायोजन का शासन स्तर से आदेश काफी पहले जारी हो चुका है और कई जनपदों में यह प्रक्रिया पूरी भी हो चुकी है। ऐसे में जिले में भी शिक्षामित्रों का उनके मूल विद्यालय अथवा पति के निवास के निकट स्थानांतरण एवं समायोजन शीघ्र कराया जाए। एसोसिएशन ने यह भी मांग उठाई कि परिषदीय शिक्षामित्रों का मानदेय कई वर्षों से समय पर नहीं मिल रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक माह की पहली तारीख को हर हाल में मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मानदेय भुगतान में लापरवाही बरतने वाले संबंधित कर्मचारी को हटाकर किसी अन्य कर्मचारी की तैनाती की जाए। ज्ञापन में कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ भी प्रमुखता से उठाया गया। एसोसिएशन ने मांग की कि जिन शिक्षामित्रों ने ऑनलाइन आवेदन कर दिया है, उन्हें शीघ्र बीमा कार्ड उपलब्ध कराए जाएं, ताकि आवश्यकता पडने् पर योजना का लाभ मिल सके। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में वेतन खाते खोलने में आ रही दिक्कतों का उल्लेख करते हुए प्रत्येक विकासखंड में एक निश्चित दिन तय करने की मांग की गई। उस दिन बैंक के अधिकारी-कर्मचारी, खंड शिक्षा अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी मौजूद रहें, जिससे शिक्षामित्रों के खाते आसानी से खोले जा सकें। जिलाध्यक्ष भगवत सिंह बैंस ने कहा कि शिक्षामित्र लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यदि जल्द ही इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन आगे की रणनीति तय करेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला प्रभारी सुदामा प्रसाद दुबे, अशोक कुमार अहिरवार, राघवेंद्र सिंह चौहान, नीलम तिवारी, मालती राजपूत, नीतू तिवारी, अशोक परिहार, हाकिम पाल, दीपक तिवारी, दिनेश सिंह राजपूत, रामनिवास दुबे, गनेश राम अहिरवार, शिवचरण अहिरवार, हरिओम राजपूत, राजेंद्र कुशवाहा, महेंद्र राजपूत, प्यारे राजा, राजकुमार यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

मड़ावरा पुलिस का बड़ा खुलासा, चार गिरफ्तार लूटे गए दो मोबाइल, 8,800 नकद और बाइक बरामद

सर्विलांस और तकनीकी जांच की मदद से पुलिस ने वारदात का किया खुलासा

ललितपुर। थाना मड़ावरा पुलिस ने छिनैती के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए दो मोबाइल फोन, 8800 रुपये नकद तथा वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा आलोक कुमार अग्रहरि के निकट पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना मड़ावरा पुलिस ने यह कार्रवाई

की। पुलिस के अनुसार थाना मड़ावरा में मु.अ.सं. 181/2026 धारा 134/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। वादी ने शिकायत में बताया था कि चार युवकों ने उससे और उसके दोस्त से मोबाइल फोन एवं नकदी छीन ली थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सर्विलांस, तकनीकी विश्लेषण तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने ग्राम रनगांव निवासी राजपाल उर्फ करिया पुत्र हल्के भैय्या अहिरवार, प्रिन्स उर्फ करिया पुत्र भुजबल अहिरवार, मड़ावरा निवासी जागेश्वर उर्फ जागेश पुत्र सुरेन्द्र यादव व मानवेन्द्र उर्फ झल्लू पुत्र जुगराज लोधी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन, 8,800 रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को नियमानुसार गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना मड़ावरा पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के सम्भाजन व समायोजन हेतु बैठक

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के साथ की बैठक उप जिलाधिरियों को प्राप्त सुझावों व आपत्तियों पर स्थलीय जांच कर मतदाता सूची को अंतिम रूप देने हेतु दिये निर्देश

ललितपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थल सम्भाजन/ समायोजन के सम्बंध में प्राप्त प्रस्तावों को अंतिम रूप दिये जाने हेतु जनपद के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक का आयोजन कलैक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के सम्माजन की कार्यवाही के अन्तर्गत 226-ललितपुर एवं 227-महरौनी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन के उपरान्त 1200 मतदाताओं से अधिक मतदाता वाले मतदेय स्थलों के सम्भाजन हेतु प्राप्त प्रस्तावों पर जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में विचार-विमर्श हेतु बैठक का आयोजन किया गया है। भौतिक सत्यापन के पश्चात 226-ललितपुर एवं 227-महरौनी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आयोग के निर्देशानुसार 1200 मतदाताओं से अधिक मतदाता वाले मतदेय स्थलों के सम्भाजन हेतु उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों की सूची राजनैतिक दलों के उपस्थित

प्रतिनिधियों को हस्तगत करायी गयी। बैठक के दौरान उप जिलाधिकारी महरौनी ने आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची के बूथ संख्या-101 प 102 सीवी गुप्ता इण्टर कॉलेज में 1200 से कम मतदाता होने के कारण समायोजन किये जाने के सम्बंध में राजनैतिक दलों को अवगत कराया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी ललितपुर एवं महरौनी को निर्देश दिये गये कि राजनैतिक दलों से मतदान स्थलों के सम्बन्ध में प्राप्त समस्त सुझावों एवं बिंदुओं की यथाशीघ्र जांच कर मतदाता सूची को अंतिम रूप देना सुनिश्चित करें। बैठक में विधानसभा 227 महरौनी से राज्यमंत्री मनोहर लाल, विधानसभा 226 ललितपुर से श्रीकान्त, सांसद प्रतिनिधि दिनेश गोस्वामी, आप जिलाध्यक्ष हरदयाल सिंह लोधी, बसपा से अनेक सिंह राजपूत, जिला सचिव संजय कुमार, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष हरिराम निरंजन, महामंत्री गौरव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक, जिला महासचिव अपना दल (सोनेलाल) सोहन लाल निरंजन एवं अधिकारियों में उप जिलाधिकरी सदर हेमन्त पटेल, उप जिलाधिकारी महरौनी रजनीश बाजपेई व अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वाभिमानी मजदूर संगठन ने मजदूरों की समस्याओं को लेकर बीडीओ और तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

125 दिन रोजगार, 400 रुपये दैनिक मजदूरी और समय पर भुगतान की उठाई मांग, काम नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

ललितपुर। स्वाभिमानी मजदूर संगठन के नेतृत्व में मंगलवार को मड़ावरा ब्लॉक में मजदूरों की विभिन्न समस्याओं और व्ही.बी.जीरामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग को लेकर ब्लॉक विकास अधिकारी एवं तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने मजदूरों को रोजगार और मजदूरी से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखा जाएगा। ज्ञापन में संगठन ने मांग की कि व्ही.बी.जीरामजी योजना के तहत सभी पात्र मजदूरों को 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा प्रत्येक श्रमिक को 400 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही मजदूरों को समय पर काम उपलब्ध कराने और उनकी मजदूरी का समय से भुगतान किए जाने की भी मांग उठाई गई। संगठन ने आरोप लगाया कि कई ग्राम पंचायतों में मजदूरों द्वारा नियमानुसार काम के लिए आवेदन देने के बावजूद उन्हें रोजगार नहीं दिया जा रहा है। इससे श्रमिकों और उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करते हुए उनकी सभी लंबित समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए। स्वाभिमानी मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संचालित किया जा रहा है। प्रशासन से अपेक्षा है कि मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान किया जाएगा। यदि निर्धारित समय में मांगों पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन चरणबद्ध तरीके से अपना आंदोलन आगे बढ़ाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी मांगों पर नियमानुसार विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मदनपुर पुलिस ने लौटाई खोए मोबाइल की खुशी 12,500 रुपये का फोन बरामद कर मालिक को किया सुपुर्द

ललितपुर। थाना मदनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई और तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए एक खोया हुआ मोबाइल फोन बरामद कर उसके वास्तविक स्वामी को सौंप दिया। करीब 12,500 रुपये कीमत का मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ित के चेहरे पर मुस्कान लौट आई और उसने एसपी सहित थाना मदनपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह एवं सीओ मड़ावरा आलोक कुमार अग्रहरि के पर्यवेक्षण में थाना मदनपुर पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार जनसुनवाई एवं पोर्टल के माध्यम से प्राप्त खोए मोबाइल की शिकायत पर नियमानुसार गुमशुदगी दर्ज की गई। इसके बाद थाना मदनपुर पुलिस टीम ने पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का परीक्षण कर भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर मोबाइल की जानकारी अपलोड की। विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त तकनीकी डेटा और विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने खोया हुआ मोबाइल बरामद कर उसके वास्तविक स्वामी को नियमानुसार सुपुर्द कर दिया। मोबाइल वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई तथा थाना मदनपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई को थानाध्यक्ष राजपाल सिंह के नेतृत्व में थाना मदनपुर पुलिस टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

हैंडपंप पर पानी भरने को लेकर विवाद महिला और पति पर लाठी-डंडों से हमला, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बानपुर के सूरीकलां गांव की घटना, बीच–बचाव करने पहुंचे पति को भी पीटा

जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम सूरीकलां में हैंडपंप से पानी भरने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। गांव के चार लोगों पर एक महिला और उसके पति के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम सूरीकलां निवासी रामकुंवर पत्नी तिलक अहिरवार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 18 जुलाई 2026 की शाम करीब छह बजे वह घर के पास स्थित हैंडपंप पर पानी भरने गई थीं। इसी दौरान गांव के दल सिंह पुत्र धनुवा, अमर कांत पुत्र हरभजन, रचना पत्नी भानुप्रताप तथा हल्की पत्नी दल सिंह वहां पहुंचे और बिना किसी बात के उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने लगे। महिला का आरोप है कि विरोध करने पर चारों आरोपियों ने एकराय होकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उनकी चीख-पुकार सुनकर पति तिलक अहिरवार बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। शोर सुनकर जब आसपास के ग्रामीण मौके की ओर दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा कायम किया है।

क्षत्रिय समाज सेवा समिति (ट्रस्ट) का हुआ विस्तार

समाज उत्थान के लिए चलेंगे व्यापक अभियान

बैठक में छात्रावास, सामूहिक विवाह और नशामुक्ति जैसे मुद्दों पर बनी रणनीति, जल्द होगा क्षत्रिय समाज सम्मेलन

ललितपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को सिविल लाइन स्थित संगठन कार्यालय में जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह परमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से क्षत्रिय समाज सेवा समिति (ट्रस्ट) का विस्तार किया गया। साथ ही समाज के उत्थान, संगठन को मजबूत बनाने तथा सामाजिक और शैक्षिक गतिविधियों को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि ट्रस्ट के माध्यम से समाजहित के विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इनमें क्षत्रिय छात्रावास की स्थापना, सामूहिक क्षत्रिय कन्या विवाह का आयोजन, समाज में फैली नशाखोरी एवं अन्य व्यसनों के खिलाफ जागरूकता अभियान, तथा धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का नियमित आयोजन प्रमुख रूप से शामिल रहेगा। जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह परमार ने कहा कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि तालबेहट नरेश महाराजा मर्दन सिंह जू देव की विशाल प्रतिमा शीघ्र स्थापित कराई जाएगी। इसके अलावा समाज के लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी घोषणा की गई कि क्षत्रिय समाज का एक विशाल सम्मेलन जल्द आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज के विकास, शिक्षा, सामाजिक एकता और भविष्य की योजनाओं पर व्यापक चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्य अतिथि मुन्ना सिंह चौहान उपस्थित रहे। इस दौरान जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह परमार, भगवत सिंह बैंस, भूपेंद्र सिंह तोमर, चंद्रपाल सिंह परमार, धर्मेंद्र सिंह परमार, राजेंद्र सिंह राठौड़, बॉबी राजा, छत्रपाल सिंह परमार, देवेंद्र सिंह, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, शैलेंद्र राजा बुंदेला, शेर सिंह परमार, पुष्पेंद्र सिंह परमार सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। संचालन भगवत सिंह बैंस ने किया।

28 जुलाई को ललितपुर में निकलेगी महाराज श्रीदक्ष प्रजापति की भव्य शोभायात्रा

राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति होंगे मुख्य अतिथि

महिला आयोग सदस्य अंजू प्रजापति रहेंगी विशिष्ट अतिथि

ललितपुर। प्रजापति समाज के आराध्य एवं श्रद्धेय महाराज श्रीदक्ष प्रजापति की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 28 जुलाई को ललितपुर में भव्य एवं ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली जाएगी। प्रजापति समाज की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और समाज के लोगों में उत्साह का माहौल है। आयोजन के तहत शहर स्थित प्रजापति धर्मशाला से महाराज श्री दक्ष प्रजापति की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल होकर अपनी आस्था और श्रद्धा प्रकट करेंगे। शोभायात्रा में आकर्षक धार्मिक एवं सामाजिक झांकियां, बैंड-बाजे, ध्वज और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की भी बड़ी भागीदारी रहने की उम्मीद है। कार्यक्रम में स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री (होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा) धर्मवीर प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगी। दोनों अतिथियों के आगमन को लेकर समाज के लोगों में विशेष उत्साह है। प्रजापति समाज जिलाध्यक्ष हरचरण प्रजापति ने बताया कि महाराज श्री दक्ष प्रजापति जयंती केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संगठन और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से इस वर्ष का आयोजन भव्य और यादगार बनाया जाएगा। साथ ही इस अवसर पर समाज में भाईचारे, सामाजिक जागरूकता और संगठन को मजबूत करने का संदेश भी दिया जाएगा। प्रजापति समाज मीडिया प्रभारी अमित प्रजापति ने बताया कि शोभायात्रा समाज के गौरव और एकजुटता का प्रतीक होगी। उन्होंने समाज के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। आयोजकों के अनुसार शोभायात्रा के सफल संचालन के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटी है, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और भव्य रूप से संपन्न हो सके। 28 जुलाई को होने वाले इस आयोजन को लेकर पूरे जिले के प्रजापति समाज में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

विवाद के दौरान दबंगों ने विपक्षी दंपति के साथ गाली गलौज मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पीड़ित महिला की शिकायत पर चार विपक्षियों के खिलाफ मामला दर्ज

[illegible] अंतर्गत ग्राम सूरीकला में किसी बात को लेकर दो ग्रामीणों के बीच उत्पन्न हुए विवाद के दौरान एक पक्ष के चार लोगों ने मिलकर एकर होकर विपक्षी दंपति को दबोच कर उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में पीड़ति महिला की शिकायत पर [illegible] मामला दर्ज किया है। ग्राम सूरीकला निवासी श्रीमती रामकुअंर् पत्नी तिलक अहिरवार ने थाना बानपुर पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 18 जुलाई 2026 को वह अपने पति के साथ खेत से वापस आ रही थी। इसी दौरान शाम करीब 6ः00 बजे रास्ते में गांव में ही रहने [illegible] आदि से उसके पति की कहासुनी हो गई। इस कहासुनी से आक्रोशित दलसिंह ने अपने तीन परिजनों के साथ मिलकर एक राय होकर उसके पति को मौके पर दबोच कर उसके साथ जमकर गाली गलौज की। इतना ही नहीं जब वह अपने पति के बचाव में आई, तब सभी दबंगों ने एक राय होकर उसके और [illegible] लाठी डंडों से जमकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। थाना बानपुर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर महिला द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर चारों विपक्षियों के खिलाफ 115(2), 352 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

सरेराह गाड़ी रोककर गाली गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

विरोध करने पर कार में तोड़फोड़ करने का आरोप

पीड़ति की शिकायत पर करीब आधा दर्जन विपक्षियों के खिलाफ मामला दर्ज

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम टोड़ी से निकली देवरान नहर की पटरी पर एमपी के कार सबार को दबोचकर उसके साथ गाली गलौज कर लाठी डंड़ों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर उसकी कार में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। उक्त मामले को लेकर पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

समीपवर्ती मध्य प्रदेश के जनपद शिवपुरी के थाना पिछोर अंतर्गत ग्राम रिबई मोदान निवासी राज यादव पुत्र मुकेश यादव ने थाना बार पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 20 जुलाई 2026 को वह अपनी रिश्तेदारी में थाना क्षेत्र के एक गांव आया था। बताया गया है कि शाम करीब 6ः00 बजे जब वह अपनी कार लेकर अपने गांव वापस जा रहा था और अभी ग्राम टोड़ी के पास से निकली हुई देवरान नहर की पटरी पर था, तभी गांव के दबंग विपक्षी संजू पुत्र दुर्ग सिंह ने अपने आधा दर्जन से अधिक साथियों के साथ घेर लिया और उसके साथ जमकर गाली गलौज की इस दौरान जब उसने विपक्षियों की इस हरकत पर विरुद्ध जाते तो उन्होंने लात घुसो लाठी डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर उसकी कर में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। थाना बार पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर फिर द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ 191(2), 115(2), 352, 351(3), 324(4) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

रेलबे स्टेशन पर बने फुटओवर ब्रिज के नीचे अज्ञात का शव मिलने से मचा हड़कंप

नहीं हो सकी पहचान ः

ललितपुर। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर बने फुट ओवर ब्रिज के नीचे किसी अज्ञात अधेड़ का शब मिलने से वहां पर हड़कंप जैसी स्थिति रही। घटना की सूचना पर मौके पर जीआरपी पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर उसकी तलाशी ली, तो उसके पास से कोई ऐसी सामग्री बरामद नहीं हुई, जिससे उसकी पहचान हो सके। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी हुई है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। बताया गया है कि मंगलवार की सुबह जब यात्री प्लेटफार्म नंबर दो और तीन के बीच खड़े हुए थे, तभी वहां पर बने हुए फुट ओवर ब्रिज के नीचे किसी अज्ञात का शब पड़ा हुआ देखा, तो तत्काल इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसने जांच पड़ताल की तथा शव को कब्जे में लिया। वहां आसपास मौजूद लोगों से जब उसके बारे में पड़ताल की गई, तब उसकी कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। अब यह मृतक यहां कहां से आया और कौन है, इसकी पहचान करने में पुलिस लगी हुई है।

फसल में दवा डालने गये किसान की संदिग्धावस्था में मौत

ललितपुर। जखौरा थाना क्षेत्र के ग्राम नंदनवारा में खेत पर फसल में दवा डालने गए 45 वर्षीय अफसर पुत्र गजराज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने सांप के काटने से मौत होने की आशंका जताई है, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गले पर फंदे के निशान मिलने के बाद मौत का कारण फांसी लगना बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के भतीजे प्रवीन ने बताया कि अफसर सोमवार को उड़द की फसल में दवा डालने खेत गए थे। वह खेत पर अचेत पड़े थे। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने देखा तो परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन उन्हें उपचार के लिए 108 एंबुलेंस की सहायता से मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। अफसर तीन भाइयों और तीन बहनों में दूसरे नंबर के थे। उनके एक पुत्र और एक पुत्री हैं । वह खेती किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों का कहना है कि संभवतः सांप के काटने से उनकी मौत हुई है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। सूत्रों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के गले पर फंदे के निशान पाए गए हैं और मौत का कारण फांसी लगना बताया गया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है । जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि होगी।

दिव्यांग युवक का शव संदिग्धावस्था में पड़ा मिला

ललितपुर। रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह एक अज्ञात दिव्यांग युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना मंगलवार सुबह करीब 10 बजे ललितपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर पुल के नीचे हुई। स्थानीय लोगों ने युवक को संदिग्ध हालत में पड़ा देखा और इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी। स्टेशन अधीक्षक ने तत्काल रेलवे चिकित्सक को बुलाया। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जीआरपी को सूचित किया गया। जीआरपी कर्मियों ने शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। मृतक युवक की उम्र लगभग 30 साल बताई जा रही है और वह दोनों हाथों से दिव्यांग था।

हिंदू धर्म के आराध्य भगवान श्री राम और माता सीता को शराबी व मॉंसाहारी बताकर ग्रामीण ने की अभद्र टिप्पणी

भगवान पर अभद्र टिप्पणी करते हुए युवक ने सोशल मीडिया पर बायरल

ललितपुर। हिंदुओं के साथ-साथ जन जन के आराध्य भगवान श्री राम और माता सीता पर अवैध टिप्पणी करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को गहरा आघात पहुंचा है। इस वायरल वीडियो में श्रीराम और माता सीता को शराबी और मांसाहारी बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद श्रद्धालुओं में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। आरोप है कि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ा था और उसके बाद उसे छोड़ दिया। जबकि पुलिस का कहना है कि उसने आरोपी का चलन शांति भंग की धाराओं में किया था।

हमारे हिंदू धर्म में भगवान श्री राम और माता सीता का सर्वोच्च स्थान है और लोगों के ह्रदय में बसते हैं। भगवान श्री राम के तब और त्याग की कहानी ऐतिहासिक भी है और इस पर एक पवित्र रामायण ग्रंथ भी लिखा जा चुका है। हमारे आरध्य के खिलाफ यदि कोई अभद्रतापूर्ण व्यवहार या अवध टिप्पणी करता है, तो उसे भक्त कदापि नहीं बक्सेंगे। लेकिन थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरौदा स्वामी निवासी लोधी समाज के एक युवक द्वारा भगवान श्री राम और माता सीता पर सार्वजनिक रूप से अवैध टिप्पणी करते हुए उन्हें शराबी और मांसाहारी बताया गया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वैसे ही लोगों में आक्रोश पनपने लगा। हालांकि पुलिस ने युवक को चिन्हित कर उसे पूछताछ के लिए पकड़ा था। लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने बिना कोई कार्यवाही किए हुए ग्रामीण को छोड़ दिया, जबकि पुलिस कहती है कि उसने शांति भंग में युवक के का चालान किया था। फिलहाल कुछ भी हो लेकिन अभद्र टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफ लोगों में खासा आक्रोश पनपता हुआ दिखाई दे रहा है।

सरेराह छिनैती करने बाले वांछित चार अभियुक्तों को मड़ावरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

अभियुक्तों के कब्जे से दो मोबाइल व 8800 रूपये के नगदी के साथ व एक बाइक भी की बरामद

ललितपुर। जनपद में अपराध अपराधियों पर लगाम लगाए जाने के उद्देश्य से चलाये जा रहे चेकिंग और गस्त अभियान के दौरान मड़ावरा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मड़ावरा पुलिस ने सरेआम छीनैती की घटना को अंजाम देने वाले चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से मोबाइल नगदी और एक बाइक बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मडावरा आलोक कुमार अग्रहरि के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मडावरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 181/2026 धारा 134/317(2) बीएनएस में वांछित राजपाल उर्फ करिया पुत्र हल्के भैय्या अहिरवार उम्र करीब 19 वर्ष नि0 ग्राम रनगाँव, प्रिन्स उर्फ करिया पुत्र भुजबल अहिरवार उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम रनगाँव, जागेश्वर उर्फ जागेश पुत्र सुरेन्द्र यादव उम्र करीब 20 वर्ष निवासी कस्बा मड़ावरा एवं मानवेन्द्र उर्फ झल्लू पुत्र जुगराज लोधी उम्र करीब 22 वर्ष निवासी कस्बा मड़ावरा को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।अभियुक्तों के कब्जे से दो मोबाइल व 8800 रूपये के नगदी के साथ व एक बाइक भी बरामद हुई है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार मिश्रा थाना मडावरा समस्त टीम के शामिल रहे।

म्यांव गांव में पारिवारिक विवाद ने लिया हिंसक रूप दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चले, आठ लोगों पर क्रॉस एफआईआर

दूध निकालने और घर के बाहर काम करने के दौरान शुरू हुआ विवाद महिलाएं भी मारपीट में घायल, पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में दर्ज किए दो मुकदमे

ललितपुर। थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम म्यांव मजरा दूधिया में सोमवार शाम पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते लाठी-डंडों और लात-घूंसों की मारपीट में बदल गई। घटना में दोनों पक्षों के महिला और पुरुष सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दोनों मुकदमे 20 जुलाई 2026 को लगभग आधे घंटे के अंतराल में हुई घटना से जुड़े हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पहले हमला करने और गाली-गलौज करने का आरोप लगा रहे हैं। पहले पक्ष की ओर से ग्राम म्यांव निवासी आजाद रजक पुत्र चैनू रजक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सोमवार शाम करीब 4 बजे वह अपने घर पर गाय का दूध निकाल रहे थे। इसी दौरान परिवार के ही रामकिशोर पुत्र घनश्याम, घनश्याम पुत्र नंदलाल रजक, गीता पत्नी घनश्याम तथा क्रान्ति पत्नी रामकिशोर वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर चारों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आजाद का आरोप है कि शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचीं उनकी मां राजकुमारी और पत्नी रीना के साथ भी मारपीट की गई, जिससे तीनों को चोटें आईं। घटना के बाद पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से गीता देवी पत्नी घनश्याम रजक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि वह सोमवार शाम करीब 4.30 बजे अपने घर के बाहर काम कर रही थीं। तभी परिवार के ही आजाद पुत्र चैनू, चैनू पुत्र नंदलाल रजक, रीना पत्नी आजाद तथा राजकुमारी पत्नी चैनू वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। गीता देवी का कहना है कि विरोध करने पर चारों ने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उन्हें बचाने आए उनके पति घनश्याम और पुत्र रामकिशोर के साथ भी मारपीट की गई, जिससे तीनों घायल हो गए। पुलिस ने दोनों मामलों में बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

विनोद कुमार विक्की

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियां भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु

अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालांकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार पीएसएलवी-सी37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव-ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। विक्रम-1 की सफलता केवल एक प्रक्षेपण की विजय नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की उड़ान का प्रतीक है। यही उड़ान आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष के अनंत आकाश में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। (लेखक स्वतंत्र व्यंग्यकार-सह-टिप्पणीकार हैं)

संपादकीय

विश्वसनीय हो स्क्रैपिंग

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्रोत के रूप में दर्शाती है। निस्संदेह,यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार-पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं - कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट- अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी-रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर-कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सिर्फ नियम बनाने से हवा को साफ नहीं किया जा सकता।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के जाल से युवाओं को बचाने का समय

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है।

ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरुआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है।

साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है।

किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद।

डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है। यदि सामने वाला व्यक्ति बार बार दबाव बनाकर तुरंत पैसा जमा कराने की बात कर रहा है तो यह खतरे का संकेत हो सकता है।

सरकार और पुलिस भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन और साइबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचना देनी चाहिए और बिना देर किए साइबर पुलिस से संपर्क करना चाहिए। शुरुआती समय में शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना भी रहती है।

शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए ताकि विद्यार्थी वास्तविक और फर्जी योजनाओं के बीच अंतर समझ सकें। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ आर्थिक निर्णयों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए ताकि वे किसी लालच या दबाव में गलत कदम न उठाएं। वाराणसी का मामला केवल एक गिरोह की गिरफ्तारी भर नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह दिखाता है कि अपराधी आधुनिक तकनीक और मनोवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके लोगों को आसानी से अपने जाल में फंसा सकते हैं। इसलिए केवल कानून के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं भी जागरूक और सतर्क रहना होगा।

ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

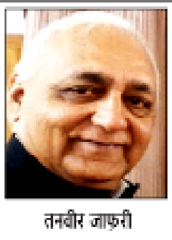

तनवीर जाफ़री

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से इविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिइ के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ वैश्विक थानेदार के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे इलिली पैडइ फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास करीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में है जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970इ80 के दशक में चीन की इभविष्य की महाशक्तिइ के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990इ2000 के दशकआते आते उसे एक इउदयमान महाशक्तिइ के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5जी, एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने इमेड इन चाइना 2025इ जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर खेलना चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से थानेदार जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में गैर जरूरी दख़लअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर कब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था इप्यू शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुकाबले चीन की और ट्रंप के मुकाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही शंकाओं को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए इविकास साझेदारइ की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुकसान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, नाटो, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल,मध्य पूर्व,वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

टू व्हीलर बाजार में एक्टिवा का जलवा कायम, सबसे ज्यादा बिकने वाले शीर्ष दस स्कूटरों की सूची जारी

मुंबई। देश के दोपहिया वाहन बाजार में स्कूटरों की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। जून 20[illegible] में एक बार फिर होंडा एक्टिवा सबसे अधिक बिकने वा[illegible] उभरा। पिछले महीने इस स्कूटर को 2,18,932 नए ग्राहकों ने खरीदा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक बिक्री है। जून 2025 में होंडा एक्टिवा की 1,83,265 इकाइयों की बिक्री हुई थी। लगातार बढ़ती मांग ने एक बार फिर इसे देश का सबसे लोकप्रिय स्कूटर बना दिया है। टीवीएस जुपिटर दूसरे और सुजुकी एक्सेस तीसरे स्थान पर बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर टीवीएस जुपिटर रहा। जून 2026 के दौरान इस स्कूटर की 1,36,805 इकाइयों की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है। वहीं तीसरे स्थान पर सुजुकी एक्सेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। इस स्कूटर की 63,121 इकाइयों की बिक्री हुई और इसे सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि मिली।

महिंद्रा स्कॉर्पियो का एकतरफा दबदबा बरकरार जून की बिक्री में प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ा और बनी शीर्ष पसंद

नई दिल्ली। भारतीय वाहन बाजार में बड़े और मध्यम आकार के खेलकूद उपयोगिता वाहनों (एसयूवी) की मांग में अभूतपूर्व तेजी देखी जा रही है। विशेष रूप से साढ़े चार मीटर से लेकर पौने पांच मीटर तक की लंबाई वाले एसयूवी खंड में एक प्रमुख स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी का एकतरफा राज कायम है। बीते महीने के बिक्री आंकड़ों के अनुसार, महिंद्रा स्कॉर्पियो ने घरेलू बाजार में अपना शीर्ष स्थान पूरी मजबूती से सुरक्षित रखा है। पिछले तीस दिनों के भीतर इस दमदार गाड़ी की कुल चौदह हजार सत्तानवे इकाइयां बिकी हैं, जिससे यह इस विशेष श्रेणी में दस हजार से अधिक बिक्री दर्ज कराने वाला इकलौता मॉडल बन गया है। बिक्री की इस दौड़ में कंपनी के अन्य मॉडलों ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरे पायदान पर महिंद्रा XUV|X® ने अपनी जगह बनाई है, जिसकी बीते महीने कुल नौ हजार दो सौ चवालीस इकाइयां ग्राहकों द्वारा खरीदी गईं। पिछले वर्ष की समान अवधि में इसकी छह हजार चार सौ पैंतीस इकाइयां बिकी थीं, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को स्पष्ट करता है। इसी सूची में तीसरे स्थान पर एक बिल्कुल नया बिजली से चलने वाला मॉडल, महिंद्रा XEV -S रहा है, जिसने बाजार में आते ही धूम मचा दी है और अपनी चार हजार अठारह इकाइयों की प्रभावशाली बिक्री दर्ज कराई है।

आरएसडब्ल्यूएम बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए परिधान निर्माण में रखेगी कदम

नई दिल्ली। विभिन्न देशों के साथ व्यापार संधि और बढ़ती घरेलू मांग के मद्देनजर वस्त्र उद्योग की प्रमुख कंपनी आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने पर विचार कर रही है। राजस्थान स्पिनिंग एंड वीविंग मिल के नाम से 1958 में राजस्थान के भिलवाड़ा में स्थापित कंपनी फिलहाल धागे और कपड़े बनाती है। आरएसडब्ल्यूएम के संयुक्त प्रबंध निदेशक राजीव गुप्ता ने समाचार एजेंसी 'यूनीवार्ता' को एक विशेष बातचीत में बताया कि भारत से धागा तथा कपड़ा बंगलादेश, श्रीलंका और वियतनाम को निर्यात किये जाते हैं। वे भारत से कपड़ा खरीदकर उसकी रंगाई करके उससे परिधान बनाते हैं और यूरोपीय तथा दूसरे बाजारों में बेचते हैं। अब तक भारत से जाने वाले सिले-सिलाये कपड़ों यानी परिधानों पर ब्रिटेन और यूरोपीय बाजारों में आठ से 12 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। वहीं, बंगलादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका या वियतनाम से जाने वाले परिधानों पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इसलिए, भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते थे। उन्होंने कहा, 'ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता 15 जुलाई से प्रभावी हो गया है। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि आठ-नौ महीने में लागू होने की उम्मीद है। कुल नौ एफटीए (या व्यापार संधि) हुए हैं। इन सबसे भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए लगभग 250 अरब डॉलर का बाजार खुला है, जहां पहले शुल्क के कारण हम पीछे थे।' व्यापार संधियों से पैदा हुए अवसर को देखते हुए परिधान निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर श्री गुप्ता ने कहा, 'हमारे लिए परिधान बनाना स्वाभाविक है और हम उस पर विचार कर रहे हैं। इस दिशा में हमारी कोई घोषित योजना नहीं है। हम इसमें जरूर आयेंगे।

वैश्विक कारकों, तिमाही परिणामों से मिलेगी बाजार को दिशा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों और कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। गत सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से पूरा बाजार में गिरावट रही, हालांकि आईटी, बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से प्रमुख सूचकांक साप्ताहिक बढ़त में बंद हुए। अगले सप्ताह भी निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट पर रहेगी। घरेलू स्तर पर इंफोसिस समेत कई कंपनियों के तिमाही परिणाम आने वाले सप्ताह में जारी होने हैं। इससे भी बाजार को दिशा मिलेगी। गत सप्ताह बीएसई के सेंसेक्स में सोमवार, बुधवार और तेजी रही जबकि मंगलवार को सूचकांक गिरावट में बंद हुआ था। वहीं, गुरुवार को यह सपाट रहा था। सेंसेक्स 582.06 अंक (0.75 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में 78,151.45 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 127.40 अंक यानी 0.52 प्रतिशत ऊपर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ।

लोहिया कॉर्प का प्राइस बैंड तय, 23 जुलाई को खुलेगा 1,102 करोड़ का आईपीओ

एजेंसी

नई दिल्ली। टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,102.08 करोड़ रुपये का है। लोहिया कॉर्प का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें 27 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक

लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्विरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी को राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 1,386.47 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,737.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी गिरावट आई।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार यानी 20 जुलाई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में सामान्य हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले दो आईपीओ में भी 21 और 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह पांच कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 20 जुलाई को गल्फ लॉयड्स का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का

मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

सीबीआई की 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार राज्यों में छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1,109 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड में छह जगहों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित मेसर्स गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मामले में की गई।

सीबीआई के अनुसार कंपनी पर केनरा बैंक से फंड आधारित और गैर-फंड आधारित विभिन्न वित्तीय सुविधाएं हासिल करने के दौरान 1,109 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी कर[illegible] एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने स्टॉक का मूल्य बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देनदारियों को कृत्रिम रूप से बढ़ाया और वित्तीय विवरणों में हेराफेरी कर अधिक ऋण सुविधा प्राप्त की। इसके अलावा ऋण राशि का दुरुपयोग और दूसरी जगह इस्तेमाल करने के साथ खातों को एवरग्रीनिंग (नए ऋण से पुराने ऋण को नियमित दिखाना) के जरिए बैंक

को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया गया। सीबीआई ने यह तलाशी विशेष सीबीआई न्यायाधीश, भुवनेश्वर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर शनिवार को की। जांच के तहत ओडिशा के भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय तथा उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर और ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कंपनी की तीन विनिर्माण इकाइयों में तलाशी ली गई। सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं। मामले की जांच जारी है।

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल की कीमत में उबाल, 90 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से कच्चे तेल की आवाजाही एक बार फिर पूरी तरह से ठप पड़ जाने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है। ब्रेंट क्रूड आज 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर पिछले डेढ़ महीने के सबसे ऊंचे स्तर 90.73 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ने आज 2.60 डॉलर प्रति बैरल की उछाल के साथ 90.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद कुछ देर के लिए इसकी कीमत 90 डॉलर के स्तर से नीचे लुढ़क कर 89.91 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंची, लेकिन थोड़ी देर बाद ही ये दोबारा 90 डॉलर के स्तर को पार कर 90.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 2.48 डॉलर प्रति बैरल यानी 2.81 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.58 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने 2.14 डॉलर प्रति बैरल की बढ़त के साथ 84.63 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में डब्ल्यूटीआई क्रूड कुछ देर के लिए फिसल कर 83.61 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक गिर गया। थोड़ी देर बाद ही इसकी चाल में तेजी आ गई। इस तेजी की वजह डब्ल्यूटीआई क्रूड थोड़ी देर बाद ही 85 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 85.39 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:15 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 84.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव की वजह से एक बार फिर कच्चे तेल की सप्लाई पर संकट बढ़ने की आशंका बन गई है। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के एक्जेक्यूटिव डायरेक्टर अनिल भंसाली का कहना है कि अमेरिका और ईरान द्वारा जिस तरह से युद्ध को तेज कर रहे हैं, उससे पश्चिम एशिया में शांति की संभावनाएं काफी क्षीण हो गई हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय विद्युत मंत्री से की भेंट,जुलाई-अगस्त के लिए अतिरिक्त बिजली मांगी, ऊर्जा परियोजनाओं पर की चर्चा

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं, जलविद्युत एवं पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) और पिटकुल की एशियाई विकास बैंक (एडीबी) सहायतित पारेषण परियोजना सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने राज्य की बढ़ती बिजली मांग और संभावित कम जलविद्युत उत्पादन का हवाला देते हुए केंद्रीय पूल से जुलाई 2026 की शेष अवधि के लिए 150 मेगावाट और अगस्त 2026 के लिए 200 मेगावाट अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि एल-नीनो की संभावित परिस्थितियों, वर्षा में कमी और जलाशयों में कम जलागम के कारण जलविद्युत उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जबकि चारधाम यात्रा और आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान बिजली की मांग बढ़ने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड को पूर्वोत्तर

राज्यों की तर्ज पर जलविद्युत परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तीय सहायता देने का भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य में लगभग 10 गीगावाट पम्प्ड स्टोरेज क्षमता विकसित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 7,800 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता अथवा वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) की स्वीकृत क्षमता 500 मेगावाट आवर से बढ़ाकर 665 मेगावाट आवर करने तथा उसके अनुरूप वायबिलिटी गैप फंडिंग उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। बैठक में पिटकुल की 3,638.26 करोड़ रुपये लागत वाली एडीबी सहायतित पारेषण परियोजना पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने परियोजना के लिए एडीबी ऋण और राज्यांश की मूल 80:20 वित्तीय व्यवस्था को यथावत बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि वित्तीय पैटर्न में बदलाव से विशेष श्रेणी के हिमालयी राज्य के रूप में उत्तराखंड को मिलने वाले लाभ प्रभावित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) परियोजना को तकनीकी रूप से उपयुक्त मान चुका है और विद्युत मंत्रालय ने भी एडीबी सहायता पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। उन्होंने परियोजना को मूल वित्तीय व्यवस्था के साथ मंजूरी देने का अनुरोध किया। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री द्वारा रखे नए प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना - एसएलएससी की बैठक में 10 उद्योगों को अनुदान स्वीकृत

1,117 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, 2300 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहित करने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में शुरू की गई राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना की बदौलत प्रदेश में लगातार नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार अनुदान दिए जा रहे हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) की बैठक हुई। इसमें 10 उद्योगों को अनुदान स्वीकृत किया गया। इन उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव, थ्रस्ट बूस्टर/ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, ग्रीन इन्सेन्टिव जैसे विविध परिलाभ दिए जाएंगे। इन उद्योगों द्वारा कुल 1,117 करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश किया गया है और 2,300 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने बताया कि एसएलएससी की बैठक में एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव, थ्रस्ट बूस्टर, ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, ग्रीन इन्सेन्टिव जैसे विविध परिलाभ स्वीकृत किए गए हैं। अब इन्हें चरणबद्ध रूप से यह परिलाभ दिए जाएंगे। इस स्वीकृति समिति में 25 करोड़ रुपये से अधिक निवेश राशि वाले उद्यमों को मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज सहित ग्रीन इन्वेस्टमेंट, एक्सपोर्ट प्रमोशन, ट्रेनिंग तथा स्किलिंग के लिए परिलाभ दिया दिए जाते हैं।

मप्र के 10.54 लाख किसानों के खातों में जारी की गई 1460 करोड़ 25 लाख रुपये की फसल बीमा राशि

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री ने

कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में प्रदेश में किसान हित में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में बलराम कृषि महोत्सव जारी है, जिसमें किसानों को जैविक कृषि, खेती में अत्याधुनिक मशीनों के इस्तेमाल, फसल विविधीकरण, कीटनाशकों के कम से कम उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपये का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।भौगोलिक संदर्भ इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एयर इंडिया के बेड़े में डेढ़ साल में शामिल होंगे 50-60 नए विमान

एजेंसी

नई दिल्ली/अबू धाबी। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया अगले 18 माह में अपने बेड़े में 50 से 60 नए विमान शामिल करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि विमानन क्षेत्र में कई चुनौतियों के बावजूद उसका महत्वाकांक्षी रूपांतरण योजना तय दिशा में आगे बढ़ रही है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी और एयर इंडिया एक्सप्रेस के चेयरमैन निपुण अग्रवाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कंपनी को कई महत्वपूर्ण सीख मिली है। उन्होंने बताया कि यह बदलाव अभियान काफी जटिल और चुनौतीपूर्ण रहा है। घाटे में चल रही विमानन कंपनी एयर इंडिया का जनवरी, 2022 में टाटा समूह ने अधिग्रहण किया था। अग्रवाल ने बताया कि विमानन उद्योग को आपूर्ति श्रृंखला में दिक्कतों, हवाई क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं, ईंधन कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद एयरलाइन अपनी तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया समूह का करीब 600 विमानों का ऑर्डर है और अभी इनमें से 10 फीसदी से कम की डिलिवरी हुई है। निपुण अग्रवाल ने कहा कि आने वाले वर्षों में इनकी डिलिवरी तेज होगी। उन्होंने कहा कि अगले सात से आठ वर्षों तक हर साल लगभग 50 से 60 नए विमान मिलने की उम्मीद है, जिनमें 10 से 15 बड़े आकार के विमान और 45 से 50 छोटे आकार के विमान शामिल भी होंगे।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला गल्फ लॉयड्स का आईपीओ, 27 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। विभिन्न उद्योगों के लिए थर्ड पार्टी ऑडिटिंग, इंस्पेक्शन, सर्टिफिकेशन और ट्रेनिंग की सर्विस देने वाली कंपनी गल्फ लॉयड्स (इंडिया) लिमिटेड का 18.19 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 22 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 24 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 27 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद पहले दिन दोपहर 12:45 बजे तक ये आईपीओ 2.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। खासकर, रिटेल इंवेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में ये इश्यू 4.21 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 100 रुपये प्रति शेयर का मूल्य बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 18,19,200 करोड़ नए शेयर बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.49 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के कर्मचारियों के लिए 1.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके

अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं प्रभात फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। गल्फ लॉयड्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत नजर आती है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसी तरह 2025-26 में कंपनी को 35.97 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई थी। कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 13.48 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इस अवधि में गल्फ लॉयड्स के पास 8.71 करोड़ रुपये का रिजर्व और सरप्लस था। अगर कंपनी की ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 7.90 करोड़ रुपये के स्तर पर थी। अगर कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ की बात करें तो 2025-26 के अंत तक गल्फ लॉयड्स पर 15.68 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लदा हुआ था।

कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद वैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नेचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

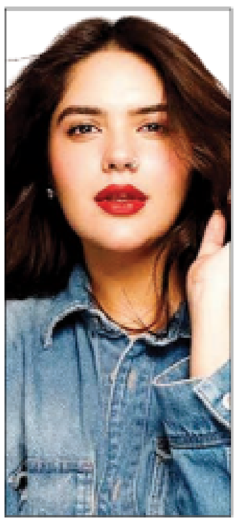

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलापति विजय, पूजा हेगडे, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलापति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ''मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है।' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ''मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ''सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोकें? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रन से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओं की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला- फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़बोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

टूट गए लियोन मेसी

स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

नई दिल्ली (एजेंसी) मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी- एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी- बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रुख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन ग्लव्स, ये है FIF वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछाड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।

एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबार्सी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।

स्पेन बना विश्व विजेता

फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फूएंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उमदराज कोच बन गए।

अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल व्हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल व्हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पैनिश सब्स्टीट्यूट के पेट में घूंसा मारा।

स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0-0 रहा। बार्सिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।

वर्धा में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार अलसुबह कार और ट्रक की टक्कर में 05 लोगों की जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ट्रक चालक की मौत इलाज के दौरान हुई। ट्रक का क्लीनर गंभीर रूप से घायल है जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया, कि दुर्घटना सोमवार तड़के करीब तीन बजे विरुल गांव के समीप हुई। पुलिस के मुताबिक एथनॉल ले जा रहा एक कंटेनर ट्रक एक्सप्रेसवे पर पलट गया था, जिसके चलते मुंबई- नागपुर मार्ग पर यातायात ठप हो गया। इसके कुछ देर बाद ही उसी स्थान पर एक ट्रक ने एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मरने वाले लोगों में से चार वर्धा जिले के एक ही परिवार के सदस्य थे, जो कार में सवार थे। हादसे के बाद हाईवे सेफ्टी पेट्रोल (एचएसपी), वर्धा पुलिस, फायर ब्रिगेड और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम की टीमें घटना स्थल पर पहुंची और बचाव व राहत कार्य के साथ ही यातायात बहाली का कार्य शुरू किया। अधिकारियों का कहना था कि इथेनॉल कंटेनर होने के चलते अत्यधिक सावधानी बरती जा रही है। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं ट्रक का क्लीनर गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मृतकों की पहचान तथा उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और टक्कर की तीव्रता को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। समृद्धि एक्सप्रेसवे पर यह हाल के समय में हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

सेल्फी खिंचवा रहे 6 युवकों को हाईवा ने रौंदा, 4 की मौत दो गंभीर रूप से घायल

नरसिंहपुर (एजेंसी)। नरसिंहपुर जिले में रविवार शाम जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, छह दोस्त तिनशीला वॉटरफॉल से पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। इंदिरा नगर के पास हाईवे किनारे सेल्फी ले रहे थे। तभी तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतकों में राजेंद्र पटेल, वीरेंद्र लोधी (20), रामपाल लोधी (21) और जयपाल लोधी (30) शामिल हैं। घायल आकाश लोधी (24) और नीरज लोधी (25) का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार हाईवा चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क पर घायल पड़ी थी युवती, केंद्रीय मंत्री ने अपनी गाड़ी से पहुंचवाया अस्पताल

जालंधर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पंजाब दौरे में इंसानियत की मिसाल पेश की। अमृतसर दौरे के बाद जब वह जालंधर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां में माथा टेकने पहुंचे, तभी रास्ते में सड़क हादसे में घायल युवती को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जानकारी के मुताबिक चिराग पासवान ने घायल युवती की मदद करते हुए उसे तुरंत अपनी गाड़ी से अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज शुरू हो गया। उनके इस मानवीय कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान डेरा सचखंड बल्लां में संत निरंजन दास का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान के सपने को पूरा करने की बात भी दोहराई। उन्होंने संकेत दिए कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी और आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी।

अभिषेक बनर्जी का आरोप, तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा के इशारे पर उनके अमतला स्थित कार्यालय से चोरी की है। यह बयान उनके कार्यालय भवन के हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर से गिराने के एक दिन बाद आया, जिस पर बिना मंजूरी के बने होने का आरोप था। हालांकि, घटना के तुरंत बाद कोलकाता हाईकोर्ट ने तोड़फोड़ पर रोक लगाकर अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दावा किया कि पुलिसकर्मी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिल उनके दफ्तर से लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, मेज, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रहे थे। उन्होंने इस घटनाक्रम को तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी करार दिया, जो हाईकोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद कानून का कोई सम्मान किए बिना की गई। टीएमसी सांसद ने पलटवार कर कहा कि अमतला का यह पार्टी कार्यालय खरीदी गई जमीन पर सभी आवश्यक मंजूरियों के साथ कानूनी तरीके से बनाया गया था। उन्होंने भाजपा का बुलडोजर मॉडल बताया, जो चुनाव से पहले उनकी अन्नपूर्णा भंडार योजना की जगह ले रहा है। अभिषेक ने कहा कि पार्टी इस मामले को कलकत्ता हाईकोर्ट ले जाएगी और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के ओएसडी को वीडियो भेजने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

लखनऊ के जवाहर भवन में लगी भीषण आग, कई गाड़ियां पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के वीआईपी इलाके में स्थित जवाहर भवन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुब्बार छा गया। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल पर स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय और कैंटीन में लगी है। सरकारी इमारत के ऊपरी हिस्से में आग लगने के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। आग लगते ही कर्मचारी व लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

भारत ने जारी की एडवाइजरी कहा- तत्काल वापस आएं स्वदेश

ईरान और अमेरिका के बीच भयंकर युध्द की आशंका

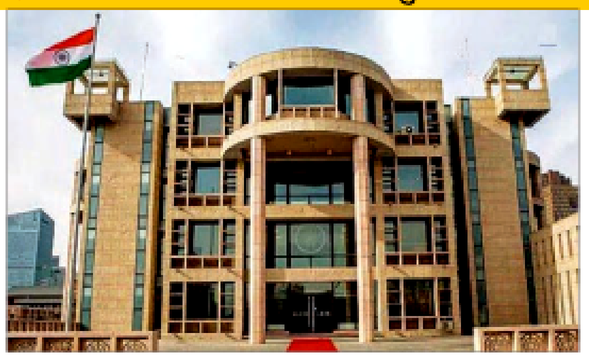

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच एक बार फिर भड़की युद्ध की आग ने पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा हालात को गंभीर बना दिया है। अमेरिका पिछले सप्ताह से लगातार ईरान पर हमलावर है, और जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है, जिससे तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने अपने नागरिकों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके साथ ही, फिलहाल ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी जल्द से जल्द वहां से बाहर निकलने की अपील की गई है, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी इस ट्रैवल एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में पूरे ईरान में अस्थिरता और हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे माहौल में किसी भी उद्देश्य से यात्रा करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। भारतीय दूतावास ने किसी भी उद्देश्य से ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि जब तक सुरक्षा माहौल में उल्लेखनीय सुधार नहीं हो जाता, वे अपनी यात्रा स्थगित कर दें। वहीं, जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, उनके लिए दूतावास ने विशेष अपील जारी करते हुए कहा है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स का इस्तेमाल कर वहां से सुरक्षित बाहर निकलने की कोशिश करें।

इसके अलावा, दूतावास ने ऐसे भारतीय नागरिकों के लिए भी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है जो अब भी ईरान में ही रुकने की योजना बना रहे हैं, या जिनके लिए मौजूदा परिस्थितियों में ईरान से निकलना संभव नहीं है। दूतावास ने ऐसे नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने, पल-पल की खबरों पर बारीकी से नजर रखने और युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ईरान के दक्षिणी तट से पूरी तरह दूर रहने को कहा है। सभी नागरिकों से यह भी अपील की गई है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी किए जा रहे सभी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में यह भी सलाह दी है कि सभी भारतीयों को भारतीय दूतावास के साथ अपना पंजीकरण कराना चाहिए। साथ ही, आगे के अपडेट्स और महत्वपूर्ण जानकारी के लिए दूतावास की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क में रह सकें।

मुंबई में कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं। सूचना मिलते ही रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, हेल्पलाइन नंबर 112 पर बृजेश कुमार नाम के एक व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि उसने तीन लोगों को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की योजना पर बातचीत करते हुए सुना है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए ठाणे पुलिस ने तत्काल मुंबई सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क किया। अलर्ट जारी होने के बाद जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीमों ने दोनों रेलवे स्टेशनों पर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा व्यवस्था भी अस्थायी रूप से बढ़ा दी गई ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुंबई जीआरपी ने मीडिया को बताया कि विस्तृत तलाशी के बावजूद किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे फिलहाल यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रेलवे स्टेशनों पर परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। पुलिस अब धमकी संबंधी कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने और उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि सूचना वास्तविक थी या किसी ने अफवाह फैलाने के उद्देश्य से कॉल किया था। पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हाल के समय में सार्वजनिक स्थलों और रेलवे परिसरों को निशाना बनाकर मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रत्येक इनपुट को गंभीरता से ले रही हैं। यात्रियों से भी किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस या रेलवे सुरक्षा बल को देने की अपील की गई है।

विजय सरकार का फैसला, सभी सरकारी ऑफिसों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड

-बोर्ड पर स्पष्ट लिखा होगा- रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है। यह निर्देश मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के जरिए जारी किया गया।

आदेश के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके। विजय सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें। इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आदेश में कहा गया है कि 2006 से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह लगाया है जहां आने वाले लोगों की नजर नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने को कहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट पेश करें। यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9498180936 शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है।

कौशल ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति: मुख्यमंत्री योगी

- विश्व युवा कौशल दिवस पर योगी की पाती में आह्वान : हर युवा एक कौशल सीखे, बने नौकरी का प्रदाता

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को एक विशेष संदेश दिया है। अपनी योगी की पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कौशल विकास को विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे कम से कम एक कौशल अवश्य सीखें। उनका मानना है कि यह हुनर केवल नौकरी दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वयं रोजगार के अवसर पैदा करने वाला भी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अनेक युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियों से उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला उत्तर प्रदेश विकसित भारत और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस विश्वास का आधार कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान देने वाली सनातन संस्कृति को बताया, जहां भगवान श्रीराम के जीवन और भगवान श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से लेकर ज्ञान और कार्यकुशलता की परंपरा समाज को आगे बढ़ाती रही है। राज्य सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, वहीं कौशल सखी और कौशल साथी जैसी नई पहलें भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का हब बन रहा है। एक जनपद-एक उत्पाद योजना ने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है, जबकि टेक युवा-समर्थ युवा पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पॉलीटेक्निक संस्थानों में रोजगारपरक शिक्षा और फिनिशिंग स्कूल जैसी योजनाएं युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ किसी एक कौशल में दक्षता हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कौशल उन्हें केवल रोजगार दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र में करोड़ों युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमाण बताया। अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कौशल विकास योजनाओं का लाभ उठाने और अन्य युवाओं को भी इससे जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा, कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है।

कांग्रेस-सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया

-जनसभा में बार-बार माइक बंद होने पर ओवैसी बोले- साउंड वाला भी बीजेपी की बी टीम

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में एआईएमआईएम की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संभल विवाद, मस्जिदों पर कार्रवाई, अयोध्या में अनियमितताओं और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे उठाते हुए राजनीतिक नेतृत्व मजबूत करने की अपील की। इस बीच उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने जनसभा में जुटी भारी भीड़ के बीच कहा कि लोग अब सिर्फ दरी बिछाने का काम नहीं करेंगे, बल्कि अपना राजनीतिक नेतृत्व खुद तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संविधान के दायरे में रहकर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है। बीजेपी को हराने के लिए ओवैसी ने चुनाव से पहले अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई। भाषण में बार-बार माइक बंद होने पर उन्होंने साउंड सिस्टम वाले को बीजेपी की बी टीम और सपा का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि आवाज दबाने की कोशिशों के बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे और जल्द ही दोबारा सहारनपुर की जनता के बीच आएंगे। इस कार्यक्रम में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोग पेड़ों, पोलों पर चढ़कर ओवैसी को सुनते नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के संभल में दिए गए बयान पर ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में एक ही वर्ग को तवज्जो मिल रही है। उन्होंने अयोध्या में हुए राममंदिर चढ़ावा चोरी और अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा और सवाल उठाया कि सीएम योगी के नाक के नीचे इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए विवाद खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि सच बोलने की अपनी आदत को वह हमेशा बरकरार रखेंगे। ओवैसी ने सहारनपुर मस्जिद विवाद, संभल और रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर में सालों पुरानी मस्जिद को भारी जुर्माना और नोटिस दिया जा रहा है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई को उन्होंने शिक्षा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यूपी में पहले से ही केवल चार फीसदी मुस्लिम ग्रेजुएट हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 12 सालों में लगातार हो रहे पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज क्यों? शशि थरूर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो लाठीचार्ज की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हुए हंगामे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

शशि थरूर ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन पर बल प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके अनुसार, लाठीचार्ज अहिंसा नहीं बल्कि हिंसा का रूप है और ऐसे कदम के पीछे का तर्क समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने के सवाल पर थरूर ने कहा कि संसद देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है। इस बार विपक्ष शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों की समस्याओं और अन्य जनहित के विषयों पर चर्चा चाहता था। उनका कहना था कि इन मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं मिलने के कारण सदन में गतिरोध की स्थिति बनी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है और वह अंततः अपने विधेयक पारित करा सकती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संसद केवल सरकार द्वारा विधेयक पेश कर उन्हें पारित कराने का मंच नहीं हो सकती, बल्कि यह वह स्थान होना चाहिए जहां विभिन्न विचारों को सुना जाए, उन पर खुली चर्चा हो और फिर निर्णय लिया जाए।

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद के सुचारु संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा कि सहयोग दोनों तरफ से होना चाहिए। यदि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, तो विपक्ष भी सदन के सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य संवाद, बहस और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की ही अनुमति नहीं होगी, तो संसद की मूल भूमिका प्रभावित होगी। थरूर ने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच संवाद के जरिए गतिरोध समाप्त होगा और संसद में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

भाजपा से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करुंगी : किरण बेदी

-कानपुर में किरण बेदी का बड़ा बया

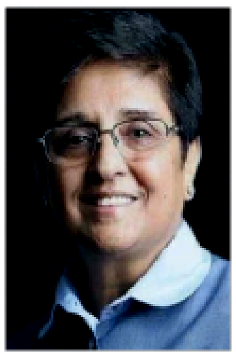

कानपुर (एजेंसी)। भारत की पहली महिला आईपीएस और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी रविवार को कानपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि वह भाजपा से चुनाव लड़ने की गलती दोबारा नहीं कर सकतीं। कानपुर रोटेरियन के एक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद बेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। हालांकि, जब उनसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक के मौजूदा आंदोलन को लेकर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बेदी ने कहा कि वह इन लोगों को फॉलो ही नहीं करतीं, और इसलिए इनको लेकर नो कमेंट।

किरण बेदी ने कानपुर की हवाई सेवा की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लखनऊ तक फ्लाइट से आने के बाद जर्जर सड़कों से कार से कानपुर आना पड़ता था, लेकिन इस बार दिल्ली से कानपुर तक का सफर काफी अच्छा रहा, क्योंकि अब सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इससे बचा जा सकता है। उनका मानना है कि चोर का काम चोरी करना है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी देश के विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए किरण बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने 77वें जन्मदिन पर भारत स्किल एक्सचेंज नाम का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की आवश्यकता को पूरा करना है, जिसके लिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है इससे पहले, किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली कराने के केंद्र की भाजपा सरकार के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने उस आदेश के बारे में सुनकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे उन्हें कोई अपने ही घर से बेदखल कर रहा हो। एक इंटरव्यू में उन्होंने क्लब से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार बेदखली के आदेश के बारे में सुना तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने अपना घर खो दिया हो। यह वह जगह थी जहां वह 14 साल की उम्र से टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमृतसर से दिल्ली आया करती थीं। इन्हीं दौरों की वजह से उन्हें दिल्ली से प्यार हो गया और उन्होंने वहीं काम करने और रहने का सपना देखा था।

आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से सफलता हासिल कर रहे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया जिसमें लिखा कि आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥ भी साझा किया है, जिसका हिंदी में अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है और समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंततः कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय हासिल करता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था- आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास की दिशा में एक बड़ा दिन है। मैं इससे जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्रभूतं कार्यमल्पं वा यन्नरः कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत् कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते॥ भी साझा किया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि चाहे कार्य बहुत बड़ा हो या छोटा- जिसे मनुष्य करना चाहता है, उसे पूर्ण समर्थन व नए उत्साह के साथ करना चाहिए, यही एक गुण सिंह से सीखने योग्य है।

पीएम मोदी की ओर से 16 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर सुभाषित साझा किया गया था। उन्होंने लिखा था- महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा से सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने संस्कृत श्लोक, देवदेव जगन्नाथ सुरासुरनमस्कृत। पुण्यश्लोकाव्ययानन्त परमात्मन्नमोऽस्तु ते॥ शेयर किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि देवताओं के भी देव और संपूर्ण जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की देवताओं से लेकर समस्त प्राणी श्रद्धापूर्वक उपासना करते हैं। उनका यश पवित्र एवं कल्याणकारी है। वे अविनाशी अनंत तथा समस्त प्राणियों के हृदय में विराजमान परमात्मा हैं। ऐसे भगवान जगन्नाथ को बार-बार नमस्कार है।

थाना जैतापूर खरगोन पुलिस को बड़ी सफलता, 10,000 का इनामी फरार आरोपी गिरफ्तार

थाना जैतापुर पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी प्रकरण में लगभग एक वर्ष से फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

पंजाब तक जुड़े थे अवैध हथियार सप्लाई के तार, न्यायालय में पेश कर भेजा गया जिला जेल

पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के द्वारा जिला खरगोन में लंबित पंजीबद्ध प्रकरणों में फरार चल रहे आरोपियों की तलाश पतारसी व शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिये गये थे। प्राप्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन (शहर) श्री बिट्टू सहलग के मार्गदर्शन में समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में थाना जैतापूर के द्वारा आर्म्स एक्ट के प्रकरण में फरार आरोपी बंटी सिकलीगर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

वर्ष 2025 में थाना जैतापुर पुलिस द्वारा अवैध देशी कट्टों की तस्करी के प्रकरण में पंजाब राज्य के जिला जालंधर निवासी आरोपी जगविंदर

सिंह एवं वीरपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अवैध देशी पिस्टल ग्राम सिनगुन निवासी रवि मुजाल्दे एवं बंटी सिकलीगर से खरीदी थीं।

आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर रवि मुजाल्दे एवं बंटी सिकलीगर को प्रकरण में आरोपी बनाया गया प्रकरण में फरार आरोपी बंटी सिकलीगर शातिर प्रवत्ति का होकर अपने रहने के ठिकाने बार-बार बदल रहे थे। फरार आरोपी की गिर?तारी हेतु पुलिस टीम के द्वारा भरसक प्रयास किए जा रहे थे व पुलिस के द्वारा फरार आरोपी की गिरफ्तारी हेतु मुखबिरों को भी सक्रिय कर फरार आरोपी की जानकारी एकत्रित करने हेतु लगाया गया था। पुलिस अधीक्षक खरगोन द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी पर ?10,000 का इनाम घोषित किया गया।

परिणामस्वरूप पुलिस टीम के सार्थक प्रयासों के चलते प्रकरण में फरार आरोपी बंटी पिता प्रधान सिंह सिकलीगर, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम सिगनूर को गिरफ्तार को गिरफ्तार कर उसे माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

पुलिस टीम-उक्त की गई कार्यवाही में एसडीओपी खरगोन श्री सौरभ तोमर के मार्गदर्शन में व थाना प्रभारी जैतापूर उनि श्री सुदर्शन कलोसिया के नेतृत्व में जैतापूर टीम का विशेष योगदान रहा।

भारतीय पत्रकार संघ BPS के राष्ट्रीय

कार्यकारणी अध्यक्ष रणजीत सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में एवं जिला महासचिव संजय सिंह गांगले की अनुशंसा पर आज जिला कार्यकारणी में जिला कोषाध्यक्ष श्री पंकज ठाकुर ग्रामीण उपाध्यक्ष अय्यूब खान एवं जिला मीडिया प्रभारी आशीष गुप्ता को नियुक्त किया गया इनकी नियुक्ति पर जिला सर्वेक्षक सेलू दादा त्रिवेदी हरि प्रसाद जयसवाल , भगीरथ नामदेव विष्णु प्रसाद वागे, सह संगठन सचिव शाहिद खान ,जिला उपाध्यक्ष अतीक अली , कार्यकारणी अध्यक्ष संजय चंदेल सह सचिव सुरेन्द्र सेन जिला उपाध्यक्ष क?वा निहाले जिला संयोजक रईस खान, जिला सचिव नवीन रायली , जिला सचिव धर्मेंद्र धारवा शेखर कौसल प्रतीक गोस्वामी जिला उपाध्यक्ष , उपस्थित रहे

गुप्त नवरात्रि पर थरा से रतनगढ़ माता मंदिर पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी भंडारा का किया आयोजन

अंबाह ,, गुप्त नवरात्रि पर धर्म प्रेमियों ने रतनगढ़ माता पर राहगीरों व श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद भंडारा लगाया गया।हम आपको बता दें कि अंचल से हर नवरात्रि व गुप्त नवरात्रि में श्रद्धालुओं का जत्था मय भोज महाप्रसाद राहगीरों व श्रद्धालुओं हेतु प्रसाद वितरण कर मां की सेवा में समर्पित रहते हैं।

आयोजक मंडल में थरा से रिंकू तोमर,पायलेट,जयसिंह, हरिओम थापक व सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं का जत्था एवं भण्डारा सामग्री ट्रैक्टर ट्राली में भरकर माता रतनगढ़ मंदिर में सेवार्थ पहूचते है।।

अम्बाह सीएम हेल्पलाइन मे तहसील अम्बाह का जिले मे प्रथम स्थान... ए ग्रेड प्राप्त करने वाली अम्बाह बनी जिले की एकमात्र तहसील...

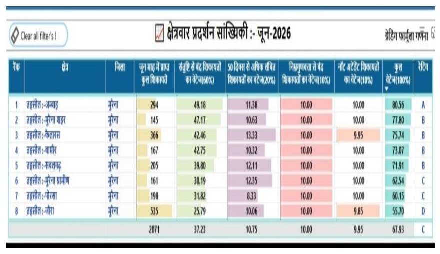

Clear all filter's ! क्षेत्रवार प्रदर्शन सांख्यिकी :- जून-2026 ग्रेडिंग फार्मूला गणना

रैंक	क्षेत्र	जिला	जून माह में प्राप्त कुल शिकायतें	संतुष्टि से बंद शिकायतों का वेटेज(60%)	50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज(20%)	निष्प्रभावता से बंद शिकायतों का वेटेज(10%)	नॉट अटेंडेड शिकायतों का वेटेज(10%)	कुल वेटेज(100%)	रेटिंग
1	तहसील :-अम्बाह	मुरैना	294	49.18	11.38	10.00	10.00	80.56	A
2	तहसील :-मुरैना शहर	मुरैना	145	47.17	10.63	10.00	10.00	77.80	B
3	तहसील :-कैलारस	मुरैना	366	42.46	13.33	10.00	9.95	75.74	B
4	तहसील :-बामौर	मुरैना	167	42.75	10.32	10.00	10.00	73.07	B
5	तहसील :-सबलगढ़	मुरैना	205	39.80	12.11	10.00	10.00	71.91	B
6	तहसील :-मुरैना ग्रामीण	मुरैना	161	30.19	12.35	10.00	10.00	62.54	C
7	तहसील :-पोरसा	मुरैना	198	31.82	8.33	10.00	10.00	60.15	C
8	तहसील :-जौरा	मुरैना	535	25.79	10.06	10.00	9.85	55.70	D
			2071	37.23	10.75	10.00	9.95	67.93	C

अम्बाह... मध्यप्रदेश शासन की महत्वकांक्षी सी एम हेल्पलाइन कार्यक्रम मे तहसील अम्बाह ने जिले मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा ए ग्रेड प्राप्त करने वाली जिले की एकमात्र तहसील बनने का गौरव प्राप्त किया है !मुरैना कलेक्टर लोकेश जांगि? के निर्देशन मे अनुविभागीय अधिकारी अम्बाह श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा के मार्गदर्शन मे एवं तहसीलदार अम्बाह नरेश शर्मा के नेतृत्व मे तहसील अम्बाह ने इस उपलब्धि को प्राप्त किया है !तहसीलदार अम्बाह नरेश शर्मा द्वारा सी एम हेल्पलाइन के लिए अभिनव प्रयोग करते हुए प्रत्येक कृषक से स्वयं ?ोन पर बात करते हुए अधिकतर सी एम हेल्पलाइन को संतुष्टि से बंद करवाने का कार्य किया तथा ग्रेडिंग माह की कुल 82त्न शिकायतो का संतुष्टि से निराकरण किया !तहसील अम्बाह ने अब त? के इतिहास मे पहली बार ए ग्रेड प्राप्त किया है तथा पहली बार ही जिले मे प्रथम स्थान प्राप्त किया है !तहसीलदार नरेश शर्मा द्वारा बताया गया कि तहसील अम्बाह मे पटवारियों को कृषकों की समस्याओ का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए है !जिसके कारण तहसील अम्बाह जिले मे प्रथम स्थान प्राप्त करने मे सफल रही !तहसीलदार नरेश शर्मा ने तहसील अम्बाह की इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय तहसील के समस्त पटवारियों, नायब तहसीलदार श्री बलराम दोहरे, सी एम हेल्पलाइन का कार्य देखने वाले कर्मचारी सचिन ददौरिया, रवि वर्मा एवं क्षेत्र के किसानो को दिया है !तहसीलदार नरेश शर्मा द्वारा बताया गया कि तहसील अम्बाह मे कृषकों की समस्याओ का हर संभव निराकरण किया जा रहा है !

धान किसानों के लिए बड़ी सलाह हरसी बांध में कम जलभराव, 25 जुलाई तक धान की बुवाई टालें

25 जुलाई के बाद मानसून की स्थिति की समीक्षा कर लिया जाएगा आगे का निर्णय

भितरवार/डबरा, । खरीफ सीजन के बीच हरसी जल संसाधन संभाग, डबरा ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने वर्तमान जलभराव और कमजोर मानसूनी स्थिति को देखते हुए किसानों से 25 जुलाई 2026 तक धान की बुवाई टालने की अपील की है।

विभाग का कहना है कि जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं होने और आगामी दिनों में सामान्य से कम वर्षा की संभावना के कारण नहरों के माध्यम से नियमित सिंचाई उपलब्ध कराना फिलहाल संभव नहीं है।

विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हरसी बांध में वर्तमान जलभराव 109.54 एमसीएम (56.88 प्रतिशत) है। हरसी मुख्य नहर एवं हरसी उच्च स्तरीय नहर को पानी इसी बांध से उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन वर्तमान जलस्तर नहर संचालन

के लिए पर्याप्त नहीं है। यदि इस समय नहरों का संचालन किया जाता है तो हरसी मुख्य नहर के अंतिम छोर तक किसानों को केवल लगभग 10 दिनों की सिंचाई के लिए ही पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं हरसी उच्च स्तरीय नहर का जलस्तर एफएसडी (फुल सप्लाई लेवल) से नीचे होने के कारण उसका पूर्ण क्षमता से संचालन भी संभव नहीं है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में भी सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। यदि पर्याप्त बारिश नहीं होती है तो आगे नहरों के माध्यम से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना कठिन हो जाएगा, जिससे धान की फसल प्रभावित होने और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाने की आशंका बनी रहेगी।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने किसानों से अपील की है कि 25 जुलाई तक मौसम की स्थिति का इंतजार करें। यदि किसी किसान के पास निजी सिंचाई के पर्याप्त साधन उपलब्ध हों, तभी धान की बुवाई करें, अन्यथा जल्दबाजी से बचें।

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि 25 जुलाई के बाद मानसून की स्थिति, वर्षा की मात्रा तथा जलाशयों में जलभराव की समीक्षा के आधार पर नहर संचालन एवं सिंचाई व्यवस्था को लेकर आगे का निर्णय लिया जाएगा।

प्रमुख जलाशयों की वर्तमान स्थितिहरसी बांध - 56.88त्नमड़ीखेड़ा बांध- 57.76-पहसारी बांध - 38.00-ककेटो वीयर - 34.24-मोहिनी पिकअप वीयर - 32.67-अपर ककेटो बांध - 2.45-

शासकीय आदेशों की उड़ रही धज्जियां, संदलपुर कन्या विद्यालय समय से पहले हुआ बंद

आँतरी द्य विकासखंड भितरवार के अंतर्गत आने वाले शासकीय विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था और शिक्षकों की तानाशाही चरम पर है लोक शिक्षण संचालनालय की सख्त चेतावनी के बावजूद भी ग्रामीण अंचल में कुछ एक विद्यालय ऐसे हैं जहां शिक्षक समय से पूर्व विद्यालय बंद करके चले जाते है द्य हम बात यह है कि शैक्षणिक व्यवस्था और स्कूल के समय पर खुलने बंद होने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी निरीक्षण के लिए द्व ब्लॉक स्तर पर दो दर्जनसे ज्यादा टीचरों की ड्यूटी लगाई है द्य इसके बावजूद भी स्कूलों के खुलने और बंद होने के मामले सामने आ रहे हैं द्य

मामला शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय संदलपुर का है यहां शनिवार को स्कूल समय से पूर्व बंद कर दिया गया स्थानीय नागरिकों द्वारा बैंड स्कूल का फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया साथ ही साला प्रभारी से इस विषय में बात की गई तो उन्होंने कहा हमें सिर्फ 5 घंटे स्कूल खोलने के आदेश है इसके बाद हम कभी भी बंद कर सकते हैं चाहे समय हुआ हो या ना हुआ हो द्य

फैक्ट फाइल

विद्यालय का नाम --शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय संदलपुर आँतरी

दर्ज छात्र संख्या --31

दो स्थाई और चार अतिथि शिक्षक पदस्थ

कुल 6 टीचर

यहां बता दें कि विकास खंड विकासखंड भितरवार के अंतर्गत 11 जन शिक्षा केंद्र हैं। प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र पर दो जन शिक्षक कार्यरत होते हैं जिनका कार्य विद्यालयों की सतत मॉनिटरिंग करना है। वर्तमान में 10 जन शिक्षक प्रतिनियुक्ति तथा सात जन शिक्षक को प्रभार दिया गया है इसके अलावा पांच बीएसी विकासखंड में हैं जबकि दो बीएसी बीआरसीसी कार्यालय में पदस्थ हैं। विकासखंड अंतर्गत 9 एईओ है जिनके प्राचार्य का कार्य भी स्कूलों की मॉनिटरिंग करना व जन शिक्षकओ से करवाना होता है। विकास खंड शिक्षा अधिकारी व बीआरसीसी विकासखंड के वरिष्ठ मॉनिटरिंग करता हैं शिक्षा गुणवत्ता का में सुधार कितने भारी भरकम हमले के पास होने के बाद भी विकासखंड की शिक्षा व्यवस्था में पटरी है छात्र कक्षा 5 और 8 का अंग्रेजी में दक्ष नहीं है गणित की क्रियाएं नहीं जानता है शुद्ध हिंदी नहीं लिख पाता है। Esiprakar डबरा विकासखंड में भी 11 जन शिक्षा केंद्र 10 संकुल हैं और 16 जन शिक्षक प्रतिनिधि पर हैं

क्या कहते हैं ग्रामीण--शनिवार शाम को शनिवार शाम को विद्यालय प्रबंधन द्वारा समय से पूर्व विद्यालय बंद कर दिया गया था विद्यालय पर ताला जड़ा देख हम लोग पहुंच गए और मैडम से बात की उन्होंने कहा कि हमें 5 घंटे स्कूल खोलने के आदेश हैं हम हाजिरी लगाकर चले गए हैं

ज्ञान सिंह यादव संदलपुर

जांच कराएंगे--

आपके द्वारा ज्ञात ज्ञात हुआ कि अभी भी कुछ विद्यालय समय से पूर्व बंद किया जा रहे हैं शासकीय आदेशों का पालन नहीं करने की दशा में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी

सुजान सिंह रावत सीईओ मुरार

गोहद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर आयोजित, 22 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

गोहद। वरिष्ठ समाजसेवी एवं दानदाता स्वर्गीय श्री लक्ष्मी नारायण लोहिया जी की पावन स्मृति तथा स्वर्गीय श्री संजीव कुमार गुप्ता की पुण्यतिथि के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोहद में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का आयोजन जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आलोक शर्मा एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी (सीबीएमओ) डॉ. वासुदेव शिकारिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराना तथा समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

शिविर में कुल 22 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान करने वालों में डॉ. आलोक शर्मा (डीएचओ), रवि कुमार जोशी (रेडियोग्राफर), आशीष लोहिया (समाजसेवी), डॉ. योगेश

(सीएचओ), सुभाष (समाजसेवी), नरेंद्र भटेले (मेडिकल संचालक), गिरिजा शंकर कटारे %रिंकू कटारे% (पत्रकार), नवीन (समाजसेवी), राघवेंद्र सिंह राजावत (समाजसेवी), वीरेंद्र सिंह अटल (समाजसेवी), गौरव बाथम (कंप्यूटर ऑपरेटर), अरुण सिंह भदौरिया (सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर), पंकज शर्मा (समाजसेवी), राघवेंद्र पाल (अस्पताल स्टाफ), मौसीन (समाजसेवी), प्रदीप शर्मा (फार्मासिस्ट), भरत भटेले (सीएचओ), मयंक कांकर (कंप्यूटर ऑपरेटर), डॉ. वासुदेव शिकारिया (सीबीएमओ), मनोरमा कौरव (संगणक), हरिओम (समाजसेवी) तथा गौरीशंकर (पुलिस प्रधान आरक्षक) शामिल रहे।

इस अवसर पर डॉ. आलोक शर्मा एवं डॉ. वासुदेव शिकारिया ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ÷रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचा सकता है।÷ उन्होंने आमजन से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील भी की।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने रक्तदाताओं के इस मानवीय योगदान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

डिजिटल लाइफस्टाइल और फास्ट फूड से युवाओं में बढ़ रही विटामिन डी3 व बी 12 की कमी

नीमा एसोसिएशन की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी स्वास्थ्य जागरूकता की सीख

संतुलित आहार और नियमित धूप लेने की सलाह

ललितपुर। नीमा एसोसिएशन द्वारा एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं में तेजी से बढ़ रही विटामिन डी3 एवं विटामिन बी12 की कमी पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता डा.एस.पी. पाठक ने की, जबकि संचालन दीपक चौबे ने किया। मुख्य अतिथि एसीएमओ आर.एन. सोनी रहे। मुख्य वक्ता डीएनबी मेडिसिन विशेषज्ञ डा.निखिल गुप्ता ने रहे, उन्होंने कहा कि कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीक और करियर में आगे बढ़ रही है, लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक गंभीर और मूक संकट का सामना कर रही है। हाल के स्वास्थ्य सर्वेक्षणों और चिकित्सकीय अनुभवों के अनुसार 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में विटामिन डी3 और विटामिन बी12 की कमी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे प्रतिदिन 15 से 20 मिनट तक सुबह की धूप लें तथा अपने भोजन में दूध, दही, पनीर, मशरूम, देसी गाय का घी एवं अंकुरित अनाज शामिल करें। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर इस समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है। कार्यक्रम में डा.मनवीर सिंह तोमर, डा.विशाल जैन, डा.अमिताभ पाराशर, डा.सौरभ साहू, डा.प्रतीक जैन, डा.आलोक जैन, डा.उत्कर्ष चौबे, डा.शीलचंद्र राजपूत, डा.शशांक पाठक, डा.विवेक सक्सेना, डा.अनूप श्रीवास्तव, डा.उमेश गुप्ता, डा.अनीश, डा.कैलाश श्रोती, डा.अवनी कड़की, डा.रविंद्र मोहन संध्या उपस्थित रहे। अंत में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने का संदेश दिया गया।

पत्थर खदान की ब्लास्टिंग से दहला अटलपुर, अंबेडकर प्रतिमा हुई क्षतिग्रस्त

ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, अवैध ब्लास्टिंग रोकने और मुआवजे की मांग

शिवपुरी। बदरवास तहसील के अंतर्गत आने वाले अटलपुर गांव में संचालित %सिद्ध बाबा स्टोन क्रेशर% की अवैध ब्लास्टिंग से ग्रामीणों का जीना दुश्वार हो गया है। ब्लास्टिंग के कारण गांव के कई मकानों में दरारें आ गई हैं और फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि रविवार सुबह हुई ब्लास्टिंग के दौरान उड़े पत्थरों से गांव में स्थापित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है।

बिना सूचना के ब्लास्टिंग, स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर

सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बदरवास के पदाधिकारियों के साथ तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीणों ने बताया कि क्रेशर संचालक

द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के तेज धमाके किए जाते हैं। ग्रामीणों की प्रमुख शिकायतें इस प्रकार हैं

ब्लास्टिंग के दौरान उड़ने वाले पत्थरों से ग्रामीणों की जान को हमेशा खतरा बना रहता है।

क्रेशर से उड़ने वाली धूल और प्रदूषण से स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधी गंभीर परेशानियां हो रही हैं।

शिकायत करने पर क्रेशर कर्मचारी ग्रामीणों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं।

प्रशासन से जांच और कार्रवाई की मांग-ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से स्टोन क्रेशर की जांच कराकर उसे बंद करने की मांग की है। साथ ही, क्षतिग्रस्त हुए मकानों, फसलों और अंबेडकर प्रतिमा का सर्वे कर पीड़ितों को उचित मुआवजा दिलाने की भी गुहार लगाई गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मैनवार में सहखातेदार की जमीन पर कब्जे का प्रयास, चार पर रिपोर्ट विरोध करने पर गला दबाने और जान से मारने की धमकी का आरोप

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मैनवार में सहखातेदार की जमीन और ग्राम सभा की भूमि पर कथित अवैध कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। विरोध करने पर गाली-गलौज, गला दबाने का प्रयास और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। ग्राम मैनवार निवासी वृषभान सिंह पुत्र प्यारेजू बताया कि वह ग्राम स्थित आराजी संख्या 862 (रकबा 0.2430 हेक्टेयर) में कुसुम दुलैया और भगवान सिंह के साथ सहखातेदार हैं। उनका आरोप है कि गांव में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान उनकी भूमि तथा ग्राम सभा की भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। आरोप लगाया गया है कि 10 जुलाई 2026 की सुबह करीब नौ बजे बीर पुत्र हरपाल सिंह, हरपाल पुत्र हिम्मत सिंह ठाकुर, दिनेश पुत्र फुल्लू झां और विनोद पुत्र फुल्लू झां, सभी निवासी ग्राम मैनवार, बिना अनुमति जमीन पर टीनशेड और गुम्मा की दीवार बनवा रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज की और कथित रूप से वृषभान सिंह का गला दबाने का प्रयास किया। शोर सुनकर खेतों में काम कर रहे गनेश और हरीराम यादव (पुत्रगण गोकुल प्रसाद) मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। आरोप है कि जाते समय आरोपी रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। शिकायत में यह भी कहा गया है कि चकबंदी अधिकारी एवं लेखपाल ने 13, 14 और 16 जुलाई को मौके पर पहुंचकर पैमाइश की और नोटिस चस्पा किए थे। पुलिस और चकबंदी विभाग ने निर्माण रुकवाने का प्रयास भी किया

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

स्कूली शिक्षा से उच्च शिक्षा की यात्रा नए अवसरों और जिम्मेदारियों का आरंभ - डॉ. शंभू नाथ सिंह

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के बैंकिंग, इकोनॉमिक्स एवं फाइनेंस विभाग में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं उन्हें विश्वविद्यालयी शिक्षा से परिचित कराने के उद्देश्य से इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.कॉम., बी.कॉम. ( ) तथा बी.ए. इकोनॉमिक्स एंड ई-बिजनेस के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. शंभूनाथ सिंह ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्कूली शिक्षा से विश्वविद्यालयी शिक्षा तक का सफर केवल कक्षा बदलने का नहीं, बल्कि सोच, दृष्टिकोण और जिम्मेदारियों के विस्तार का सफर है। उन्होंने विद्यार्थियों को विभाग की रूपरेखा, शैक्षणिक गतिविधियों तथा मिशन-विजन से अवगत कराया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वचन एवं शुभकामनाएं दीं।
इस अवसर पर डॉ. ज्योति कुमारी मिश्रा, बी.कॉम. कोऑर्डिनेटर डॉ. शिल्पा मिश्रा, डॉ. फुरकान मलिक एवं डॉ. गजाला अहमद ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।
कार्यक्रम में डॉ. राधिका चौधरी व डॉ. अतुल गोयल एवं अन्य शिक्षक
उपस्थिति रही। इंडक्शन प्रोग्राम के माध्यम से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और विभागीय गतिविधियों से परिचित कराया गया तथा उनकी नई अकादमिक यात्रा के लिए उत्साहवर्धन किया गया।

संघर्ष सेवा समिति के स्नेहिल सहयोग से अमरीन मंसूरी का निकाह संपन्न

सिद्धि सरकार ब्यूरो

झांसी। सामाजिक सरोकारों को समर्पित संघर्ष सेवा समिति ने एक बार फिर मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अमरीन मंसूरी के विवाह अवसर पर सहयोग एवं सम्मानपूर्ण विदाई का आयोजन किया।
अठोंदना की पुलिया, नगरा निवासी स्वर्गीय अब्दुल सलाम एवं रूकसाना मंसूरी की पुत्री अमरीन मंसूरी का विवाह 20 जुलाई 2026 को पारिवारिक एवं सामाजिक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने नवविवाहित जोड़े के सुखद एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना करते हुए आवश्यक गृहस्थी का सामान, उपहार एवं बेटी धन भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई प्रदान की, विवाह पूर्व कलर्स ब्यूटी पार्लर के सहयोग से अमरीन को विवाह हेतु सुसज्जित कराया गया।
डॉ. संदीप सरावगी ने अपने संबोधन में कहा कि ÷बेटियाँ किसी एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की अमूल्य धरोहर होती हैं। उनके सम्मान, शिक्षा और सुरक्षित भविष्य के लिए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को आगे आना चाहिए। संघर्ष सेवा समिति भविष्य में भी जरूरतमंद परिवारों के सहयोग के लिए इसी प्रकार निरंतर कार्य करती रहेगी।÷
उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले कलर्स ब्यूटी पार्लर (कलर्स सैलून) की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक कार्यों में स्थानीय संस्थानों की सहभागिता समाज में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कलर्स ब्यूटी पार्लर की टीम के सहयोग एवं सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए इसे प्रेरणादायक पहल बताया।
कार्यक्रम में अमरीन के भाई आशिफ मंसूरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनमें जसवंत सिंह, सुरजीत यादव, मुन्ना मास्टर, सुशांत गुप्ता, बसंत गुप्ता, अहिल खान, धर्मेंद्र खटीक, राकेश अहिरवार, मोहित लाक्षाकार, अशोक मिसाद, सिद्धांत गुप्ता, सचिन शर्मा, राजू सेन, संदीप नामदेव, अनुज प्रताप सिंह सहित अन्य लोगों ने नवदंपती को शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखमय भविष्य की कामना की।

हर महिला हो सुरक्षित - NCRES

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी सहायक महासचिव इंद्रविजय की उपस्थिति में मंडल सचिव गौरव श्रीवास्तव के नेतृत्व में मंडल उपाध्यक्ष प्रिंसी सिंह तोमर के द्वारा झाँसी मंडल की महिलाओं ने अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा, झांसी को ज्ञापन देकर महिला कर्मचारियों की उनके कार्यस्थल पर एवं कार्य पर आने जाने के दौरान सुरक्षा की मांग की ।
प्रिंसी सिंह तोमर ने अपर मंडल रेल प्रबंधक को बताया कि झांसी मंडल में महिलाएं स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं जिससे महिला कर्मचारियों में अत्यधिक भय एवं रोष व्याप्त हैं इसमें प्रशासन को तत्काल संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही की जाए ।
मंडल सचिव गौरव श्रीवास्तव ने हाल ही में घटित डबरा स्टेशन एवं झांसी स्टेशन पर महिलाओं के साथ हुई घटना की निंदा की ओर प्रशाशन से महिलाओं को उनके कार्यस्थल पर एवं आने जाने के दौरान सुरक्षित एवं भयमुक्त कामकाजी माहौल की मांग की ।
इस दौरान अशोक त्रिपाठी, महेंद्र सेन, राजेंद्र परिहार, संजीव नायक, इमरान बेग, राघवेंद्र तिवारी, के एस शुक्ला, निखिल पांडे, अनूप अग्रवाल, कामता साहू, आशीष कन्नौजिया, अविनाश शर्मा, अवधेश दुबे, ब्रजेश तिवारी, नितेश कुशवाहा, दीपा सिंह, मालती गौतम, रेनू श्रीवास, मिनी शाक्या, नेहा सिंह, संजू कुशवाहा, आरती रजक, नंदा, संगीता, प्रिया उपाध्याय, शिल्पा, शाहीन, प्रगति, शालिनी मिश्रा, फरहीन कुरैशी, रिचा साहू, खुशबू राजपूत, सुनीता पल, श्रीमती कमलेश, पुष्पा वर्मा, सायमा खान, रेनू श्रीवास, आनंद वर्मा, सचिन श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, शैलेन्द्र वर्मा, दयाशंकर, रामेश्वर तिवारी, आनंद खानवलकर, अजय वर्मा, सुरेश कुमार मीना, राजीव कश्यप, दीपक शाक्या, पृथ्वीराज चौहान, आशीष यादव, अनिल बुंदेली, रजत मौर्य, महेश यादव, मनीष यादव, अजय चौहान, राम नगिना, जाहर सिंह यादव, मो. ?ाहिद ,राहुल अहिरवार, पवन राय, हिमांशु आर्य, अंकित साहू , अरशद खान, पंकज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, मनीष पस्तोर, पंकज रायकवार, अंकुश परिहार, महेश कुशवाहा, जोहेब खान, मुमताज खान, विश्वास शर्मा, महेंद्र राठौर, राकेश कुमार, राकेश खरे, लोकेश यादव, सतीश यादव, राजबहादुर यादव, सोनू कुमार, सुनील कुमार, जाफर अली, रवि शंकर, राहुल चौधरी, कृष्णा, दीप चन्द, अख्तर खान, विपिन बांगर, प्रदीप कुमार आदि उपस्थित रहे ।

एआई, विज्ञान और आधुनिक तकनीक के सहारे युवाओं ने खोजे जल संकट के समाधान

राजकीय संग्रहालय में वर्किंग मॉडल प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र, वैज्ञानिक नवाचारों ने किया सभी को प्रभावित

सिद्धि सरकार ब्यूरो

जल प्रहरी सम्मान% से सम्मानित हुए जागरूक नागरिक, जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का लिया संकल्प
झांसी। जिला जनकल्याण महासमिति, झांसी एवं जे.के.टी. नेचर केयर, झांसी के तत्वावधान में डा. जितेन्द्र कुमार तिवारी के मुख्य संयोजन में आयोजित भू-जल सप्ताह2026 के अंतर्गत सप्ताहभर चले जन-जागरूकता अभियान का मुख्य आयोजन मंगलवार को राजकीय संग्रहालय, किला मार्ग, झांसी में सम्पन्न हुआ। जल संचयन मॉडल प्रदर्शनी एवं जल प्रहरी सम्मान समारोह ने विज्ञान, आधुनिक तकनीक, नवाचार और जनभागीदारी का प्रेरणादायी संगम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि जल संस्थान के महाप्रबंधक सिद्धार्थ कुमार, अध्यक्षता आचार्य पं बृजकिशोर हरभजन भार्गव ने की विशिष्ट अतिथि के रुप में पूर्व कारागार अधीक्षक वीरेंद्र त्रिवेदी, आचार्य पं राजीव पाठक उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ÷जल संचयन मॉडल प्रदर्शनी÷ रही, जिसमें छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं नवप्रवर्तकों ने वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण, जल शोधन, जल पुनर्चक्रण तथा आधुनिक जल प्रबंधन पर आधारित अनेक क्रियाशील (वर्किंग) मॉडल प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने विज्ञान, इंजीनियरिंग, आधुनिक तकनीक तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) का उपयोग करते हुए ऐसे व्यवहारिक एवं दूरदर्शी समाधान प्रस्तुत किए, जो भविष्य में जल संकट से निपटने में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। कम लागत वाले अनेक मॉडलों ने सरल एवं प्रभावी जल संरक्षण तकनीकों का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक डा. जितेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि आज आवश्यकता केवल जल बचाने की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच, नवाचार और जनभागीदारी को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी आधुनिक तकनीक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) का सकारात्मक उपयोग कर जल संकट जैसी गंभीर चुनौती के स्थायी समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।
कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों की सुरक्षा तथा जल की प्रत्येक बूंद बचाने का संकल्प लेकर समाज में जागरूकता फैलाने वाले जिम्मेदार नागरिकों को ÷जल प्रहरी सम्मान÷ से सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट जल संचयन मॉडलों का मूल्यांकन कर विजेता प्रतिभागियों को प्रतीक-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। उपस्थित अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, नवाचार एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं तथा जल संरक्षण को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतं में महानगर धर्माचार्य आचार्य पं हरिओम पाठक ने सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। संचालन डा लवीन मसीह ने और आभार व्यक्त डा योगेश पांचाल ने व्यक्त किया।
इस अवसर पर रानी झांसी फाऊंडेशन झांसी की अध्यक्षा निर्मल तिवारी,सुनीता गौतम, सूर्या निषाद, सपना शुक्ला, अंजना गुप्ता,पूजा तिवारी,किरण ठाकुर, अनीता सिंह,रामश्री गुप्ता,अन्नू अग्रवाल,रंजना शर्मा,आर एन उपाध्याय , प्रभात यादव,बी पी नायक,अजय तिवारी,सौरभ जेजुरकर, पंकज झा,राम नारायण शर्मा, महेश चंद्र गौतम, महेश द्विवेदी, मोतीलाल दुबे, कैलाश नारायण मालवीय , हरप्रीत सिंह, नितिन शाक्य, आर के सहारिया,एम डी गुप्ता आदि का विशेष सहयोग रहा।

एडमिशन को लेकर छात्र का बवाल: बुंदेलखंड कॉलेज के विभागाध्यक्ष पर पेन से हमला, कैंपस में मचा हड़कंप'

फॉर्म मुंह पर फेंका, अन्य छात्रों को धक्का देकर पहुंचा आगे, दस्तावेजों पर आपत्ति के बाद भड़का; प्रोफेसर ने कोतवाली में दी तहरीर

झांसी। बुंदेलखंड कॉलेज के विधि विभाग में सोमवार को प्रवेश प्रक्रिया के दौरान उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक प्रवेशार्थी ने कथित तौर पर नियमों को दरकिनार कर पहले प्रवेश लेने का दबाव बनाया। दस्तावेजों पर आपत्ति जताए जाने के बाद मामला इतना बढ़ गया कि छात्र ने विभागाध्यक्ष और प्रवेश समिति के सदस्यों के साथ अभद्रता करते हुए उन पर पेन फेंककर हमला कर दिया। घटना से कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एल.सी. साहू के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 12=30 बजे वह विधि प्रथम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया में व्यस्त थे। इसी दौरान प्रवेशार्थी अनुज सिंह अन्य छात्रों को पीछे धकेलते हुए सीधे उनके पास पहुंचा और कथित तौर पर अपना आवेदन पत्र उनके मुंह पर फेंकते हुए तत्काल प्रवेश लेने की मांग करने लगा। उसने कहा कि उसे ज्वेलरी ऑफिस जाने की जल्दी है।
प्रो. साहू के मुताबिक, छात्र को शांतिपूर्वक समझाने के बाद उसके दस्तावेजों का सत्यापन शुरू किया गया। जांच के दौरान उत्तर प्रदेश का आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (श्वङ्खस्) प्रमाणपत्र, जिसकी वैधता समाप्त बताई गई, तथा उत्तराखंड का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संबंधी प्रमाणपत्र मिलने पर प्रवेश समिति के सदस्यों ने आपत्ति दर्ज की। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर छात्र ने अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया और पेन फेंककर हमला कर दिया,

नगर निगम द्वारा बीकेडी से चित्रा चौराहा तक चलाया अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान

फुटपाथ पर अतिक्रमण किए हुए लोगों से वसूला 16 हजार जुर्माना 2 ट्राली को किया जब्त

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी नगर आयुक्त आकांक्षा राणा के निर्देश के क्रम में नगर निगम द्वारा झाँसी सीमान्तर्गत बी.के.डी. चौराहे से चित्रा चौराहा तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया, जिसमे स?क पर अंतिक्रमण किये हुये ठेला गुमटी वालों को हटाया गया साथ ही उक्त स?क पर अतिक्रमण न किये जाने हेतु चेतावनी दी गयी। अभियान के दौरान फुटपाथ पर अतिक्रमण किये हुए लोगों पर जुर्माना लगाते हुए रू. 16000/- का जुर्माना वसूला गया एवं 02 ट्राली सामग्री को जब्त किया गया।इस मौके पर राहुल कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त, सी0पी0 पाण्डेय, सहायक नगर आयुक्त/जोनल अधिकारी प्रथम, ट्रैफिक पुलिस एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से श्री गिरिराज जी ज्वेलर्स का भव्य शुभारंभ

नगर के व्यापारियों, गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों ने दी शुभकामनाएं, सर्राफा बाजार में बढ़ी नई पहचान

सिद्धि सरकार?
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी। शहर के प्रमुख सर्राफा बाजार स्थित पसरट वाली गली में सोमवार को श्री गिरिराज जी ज्वेलर्स का शुभारंभ धार्मिक वातावरण एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से संपन्न हुआ। शुभ मुहूर्त में भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना एवं हवन के साथ प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में व्यापारियों, परिजनों, मित्रों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर प्रतिष्ठान के संचालकों को शुभकामनाएं दीं।
कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश के पूजन के साथ हुआ, जिसमें व्यापार की उन्नति, ग्राहकों के विश्वास तथा नगर की समृद्धि की कामना की गई। पूजा के पश्चात उपस्थित अतिथियों को प्रसाद वितरित किया गया तथा सभी का आत्मीय स्वागत किया गया।
श्री गिरिराज जी ज्वेलर्स के संचालकों ने बताया कि प्रतिष्ठान पर ग्राहकों को शुद्ध एवं प्रमाणित स्वर्ण, रजत तथा आकर्षक डिजाइनों के आभूषण उचित मूल्य पर उपलब्ध कराए जाएंगे। ग्राहकों का विश्वास, गुणवत्ता और पारदर्शिता ही उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता रहेगी।
इस अवसर पर प्रतिष्ठान के सहयोगी प्रतिष्ठानों श्री गिरिराज जी कलेक्शन, श्री गिरिराज हैंडलूम एवं श्री गिरिराज जी साड़ीज़ परिवार की ओर से भी अतिथियों का स्वागत किया गया।
कार्यक्रम में परिवार के वरिष्ठ सदस्य राम प्रकाश माहोला, अवध प्रकाश माहोला एवं स्वतंत्र प्रकाश माहोला ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।
वहीं दर्शनाभिलाषियों में प्रतिभा (पिंकी), संदीप, तरुण, चेतन, राघव, राधिका,

कृष्ण, विभनेश, कविता, सिया सहित समस्त माहोला परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने नवस्थापित प्रतिष्ठान की सफलता एवं निरंतर प्रगति की कामना करते हुए संचालकों को शुभारंभ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।
शुभारंभ समारोह के दौरान पूरे परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। धार्मिक भजनों एवं मंगल ध्वनियों के बीच संपन्न हुए इस आयोजन ने सर्राफा बाजार के व्यापारिक माहौल में उत्साह का नया संचार किया। उपस्थित व्यापारियों एवं नागरिकों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गिरिराज जी ज्वेलर्स अपनी गुणवत्ता, विश्वसनीयता और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के बल पर शीघ्र ही शहर के प्रतिष्ठित आभूषण प्रतिष्ठानों में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा। इस दौरान व्यापारी नेता मनमोहन गे?ा, भाजपा नेता रजनी गुप्ता, सतोष साहू समीर सैकड़ो व्यापारी, नागरिक मौजूद रहे.

खाद संकट और स्मार्ट मीटर बिलों को लेकर कांग्रेस आज सौंपेगी राज्यपाल के नाम ज्ञापन

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।खरीफ सीजन में किसानों को खाद की उपलब्धता में आ रही समस्याओं तथा स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं को अधिक बिल मिलने के मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी 22 जुलाई को प्रदर्शन करेगी।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचें।इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।कांग्रेस का कहना है कि ज्ञापन के माध्यम से किसानों को समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने तथा स्मार्ट मीटर से जुड़े बिजली बिलों की शिकायतों के समाधान की मांग उठाई जाएगी।कार्यक्रम में अधिक से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति का आह्वान किया गया है।

आयुक्त ने अटल आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया,शिक्षा व सुरक्षा व्यवस्था पर दिए निर्देश

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।चित्रकूटधाम मंडल आयुक्त अजीत कुमार ने मंगलवार को अछरौड़ स्थित अटल आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक, आवासीय एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं छात्रावास,भोजनालय,रसोईघर,पेयजल,स्वच्छता एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया।आयुक्त ने कक्षा 6, 9,10 एवं 11 के छात्र-छात्राओं से संवाद कर शिक्षण व्यवस्था अध्यापकों की उपलब्धता,भोजन एवं छात्रावास संबंधी सुविधाओं की जानकारी ली।विद्यार्थियों ने नियमित पढ़ाई,समय पर भोजन और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध होने की जानकारी दी।निरीक्षण में स्मार्ट बोर्ड एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से शिक्षण कार्य भी संचालित होता पाया गया।निरीक्षण के बाद आयुक्त ने उप श्रमायुक्त प्रधानाचार्य तथा शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक कर विद्यालय परिसर छात्रावास भोजनालय रसोईघर और शौचालयों की नियमित साफ सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन तथा केवल सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए।आयुक्त ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय श्रमिक परिवारों के बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है।उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन,नैतिक मूल्यों,व्यक्तित्व विकास,मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।उन्होंने छात्रावासों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्थारात्रिकालीन सुरक्षा,नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही वर्षा ऋतु को देखते हुए जलभराव रोकने,संचारी रोगों की रोकथाम,मच्छर नियंत्रण एवं स्वच्छता पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।आयुक्त ने अग्निशमन यंत्रों,सीसीटीवी कैमरों,विद्युत व्यवस्था,आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन निकास व्यवस्था की नियमित जांच कराने के निर्देश भी दिए।उन्होंने कहा कि विद्यालय में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा बच्चों की सुरक्षा,शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना:बाँदा में पात्र अनाथ बच्चों को मिल रही आर्थिक सहायता

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत जिले में निराश्रित एवं अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।महिला कल्याण विभाग एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के माध्यम से पात्र बच्चों का सत्यापन कर योजना का लाभ सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जा रहा है।विभागीय अधिकारियों के अनुसार,कोविड से इतर अन्य परिस्थितियों,जैसे माता-पिता की मृत्यु,माता के तलाकशुदा होने अथवा माता-पिता के जेल में होने जैसी स्थितियों में पात्र बच्चों को योजना के तहत प्रति माह 2,500 रुपये (त्रैमासिक 7,500 रुपये) की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।वहीं पात्र बालिकाओं को विवाह के लिए 1.01 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता का भी प्रावधान है।योजना के तहत पूर्व में पात्र छात्र-छात्राओं को निःशुल्क लैपटॉप भी वितरित किए जा चुके हैं,ताकि उनकी शिक्षा प्रभावित न हो और वे डिजिटल माध्यम से पढ़ाई जारी रख सकें।जिला प्रशासन ने योजना की आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है।अब पात्र बच्चे अथवा उनके अभिभावक मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (क्कस्ङ्क) पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।अधिकारियों के अनुसार,नए एमआईएस पोर्टल के जरिए लाभार्थियों के आवेदन,शिक्षा और वित्तीय सहायता की निगरानी की जा रही है,जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनी है।जिला प्रोबेशन विभाग का कहना है कि जिले में कोई भी पात्र बच्चा योजना के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है।साथ ही पात्र लाभार्थियों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में आयुष्मान योजना और स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई,जिसमें पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की गई।बैठक में आयुष्मान भारत योजना की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने जन औषधि केंद्रों पर मानकों के अनुरूप दवाइयों एवं आवश्यक उपकरणों कीउपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमासिन स्थित जन औषधि केंद्र को शीघ्र संचालित कराने के निर्देश दिए।रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को निर्देशित किया गया कि चिकित्सक केवल मेडिकल कॉलेज एवं जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध जेनेरिक दवाइयां ही लिखें और अनावश्यक रूप से ब्रांडेड दवाइयां न लिखें।बैठक में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत महिला एवं पुरुष नसबंदी की प्रगति बढ़ाने,जननी सुरक्षा योजना के सभी लंबित भुगतान शीघ्र कराने तथा निजी चिकित्सालयों के आयुष्मान योजना से संबंधित लंबित भुगतान का निस्तारण कराने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए गए।इसके अलावा पूर्ण टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं के शत प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) को कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) में भर्ती कराने की कार्रवाई तेज करने के निर्देश भी दिए गए।

बाँदा का नाम 'बामदेव नगर' करने की मांग,आयुक्त को सौंपा गया ज्ञापन

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।जनपद का नाम बदलकर ÷बामदेव नगर÷ किए जाने की मांग को लेकर चित्रकूटधाम मंडल के आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में जनपद के पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए नाम परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू कराने का अनुरोध किया गया है।ज्ञापन में कहा गया है कि बांदा बुंदेलखंड का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक नगर है तथा चित्रकूट धाम मंडल का मुख्यालय भी है।यहाँ स्थित कालिंजर किला, नीलकंठ मंदिर और बाम्बेश्वर मंदिर क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान हैं।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि बामदेव ऋषि की तपोस्थली होने के कारण पूर्व में इस क्षेत्र का नाम ÷बम्दा÷ था, जो समय के साथ बदलकर ÷बांदा÷ हो गया।ज्ञापन में पौराणिक संदर्भों का हवाला देते हुए मांग की गई कि जनपद की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए इसका नाम ÷बामदेव नगर÷ किया जाए तथा इस संबंध में आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू की जाए।इस अवसर पर बार संघ अध्यक्ष विमल कुमार सिंह,महासचिव राजेश त्रिपाठी कोषाध्यक्ष सुशील कुमार,विनोद सिंह,शिवपूजन पटेल विवेक सिंह सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बाढ़ तैयारियां समय से पूरी करें, विकास योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें- आयुक्त

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।चित्रकूटधाम मंडल के आयुक्त अजीत कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में मंडल स्तरीय विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने अधिकारियों को योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।आयुक्त ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर,पेयजल,चिकित्सा स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से पूरी कर ली जाएं।साथ ही बाढ़ के बाद संभावित संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने तथा प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।आईजीआरएस की रैंकिंग में सुधार,महोबा के चरखारी एवं खरेला में पेयजल समस्या का शीघ्र समाधान तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।आयुक्त ने राजस्व अधिकारियों को सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाने और सीमांकन अभियान तेज करने को कहा।लोक निर्माण विभाग को वर्षा ऋतु में सड़कों की मरम्मत एवं पैचिंग समय पर कराने तथा सेतु निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने, नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने,जननी सुरक्षा योजना के लंबित भुगतान शीघ्र कराने तथा आशा एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का समय से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। दिव्यांगजन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने के लिए विशेष शिविर आयोजित करने पर भी जोर दिया गया।बैठक में पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण,मनरेगा,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,पीएम-कुसुम, जल जीवन मिशन,ऑपरेशन कायाकल्प,आईसीडीएस एवं पोषण अभियान,सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।बैठक में चित्रकूट के जिलाधिकारी पुलकित गर्ग,महोबा की जिलाधिकारी गजल भारद्वाज, हमीरपुर के जिलाधिकारी अभिषेक गोयल,अपर आयुक्त (प्रशासन) अमरपाल सिंह,संयुक्त विकास आयुक्त,सभी मुख्य विकास अधिकारी तथा मंडल एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रो.डॉ.अश्विनीकुमार शुक्ल के सम्मान में अभिनंदन समारोह, शिक्षण व साहित्यिक योगदान को सराहा

सिद्धि सरकार ब्यूरो गुड्डन खान

बाँदा।तिंदवारी रोड स्थित एक होटल में प्रोफेसर डॉ. अश्विनी कुमार शुक्ल की सेवानिवृत्ति के अवसर पर ÷46 वर्षों बाद्-अंत नहीं आरंभ÷ विषय पर संस्मरणात्मक चर्चा एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम का आयोजन उनके पुत्र इंजीनियर आशुतोष शुक्ल ने किया,जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए शिक्षाविदों साहित्यकारों,प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।मुख्य अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कला संकायाध्यक्ष प्रो.डॉ.कौशलनाथ उपाध्याय तथा पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ.रंजना उपाध्याय ने डॉ.शुक्ल के साहित्यिक एवं शैक्षणिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें एक आदर्श शिक्षक,साहित्यकार और अनुशासित व्यक्तित्व बताया।

समारोह की अध्यक्षता बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ.जगन्नाथ पाठक ने की।विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. सुरेश माहेश्वरी ने डॉ. शुक्ल के साहित्यिक अवदान और उनके साथ जुड़े संस्मरण साझा किए।कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण डॉ. शुक्ल के 46 वर्षों के जीवन एवं सेवाओं पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन रहा।समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ,जबकि संचालन अरुण कुमार तिवारी और मनोज कुमार %मृदुल% ने संयुक्त रूप से किया।वक्ताओं ने बताया कि डॉ.अश्विनी कुमार शुक्ल ने 17 वर्ष की आयु में भारतीय वायुसेना से अपने सेवाकाल की शुरुआत की। सैन्य सेवा के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।उनके शिक्षण,लेखन और सामाजिक सरोकारों की सभी वक्ताओं ने सराहना की।

समारोह में वायुसेना के पूर्व सहयोगियों,शिक्षाविदों, साहित्यकारों,अधिवक्ताओं एवं विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।अंत में आयोजक इंजीनियर आशुतोष शुक्ल एवं आकांक्षा दीक्षित ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रेलवे सम्पत्ति चोरी के मामले में तीन दोषियों को दो-दो वर्ष की सजा

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी। दाण्डिक वाद सं0-2492/2012 (मुकदमा अपराध सं0-02/2012) की सुनवाई करते हुए न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रेलवे झांसी के पीठासीन अधिकारी प्रतीक त्रिपाठी ने धारा-3 रेल सम्पत्ति (विधि विरुद्ध कब्जा) अधिनियम, 1966 के अंतर्गत तीन आरोपियों को दोषसिद्ध पाते हुए प्रत्येक को दो-दो वर्ष के साधारण कारावास तथा पाँच-पाँच हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अर्थदण्ड अदा न करने की स्थिति में प्रत्येक अभियुक्त को 20-20 दिन के अतिरिक्त साधारण कारावास का दण्ड भुगतना होगा। दोषसिद्ध अभियुक्तों में संजय कुशवाहा पुत्र दमरू कुशवाहा निवासी ग्राम धरूआपुरा, थाना रक्सा, जिला झांसी, छोटू साहू पुत्र रामप्रकाश साहू निवासी दीनदयाल नगर, थाना सीपरी बाजार, जिला झांसी तथा पंकज वर्मन पुत्र प्रेमलाल निवासी मसीहागंज, थाना सीपरी बाजार, जिला झांसी शामिल हैं। उक्त प्रकरण वर्ष 2012 से रेलवे न्यायालय में विचाराधीन था। दिनांक 31 मई 2012 को खातीबाबा रोड, दीनदयाल नगर स्थित 'माँ जगदम्बा स्क्रेप' नामक कबाड़ की दुकान से लगभग एक टन रेलवे सम्पत्ति बरामद की गई थी। बरामद सम्पत्ति की अनुमानित कीमत लगभग 35 हजार रुपये आंकी गई थी। इस संबंध में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), पोस्ट-स्टोर, झांसी में मुकदमा दर्ज किया गया था। न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार तिवारी तथा भूपेश सिंह द्वारा प्रभावी पैरवी की गई।-

गैस उपभोक्ताओं को आ रही परेशानी की शिकायतों को लेकर हुई जाँच पड़ताल

जिलाधिकारी झांसी से कस्बा व क्षेत्र की उपभोक्ताओं को जागी परेशानियां दूर होने की उम्मीद

गुरसरांय(झांसी)। अब गुरसरांय व क्षेत्र के एचपी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को उम्मीद जागी है कि उनके साथ गुरसरांय एचपी गैस के गुरसरांय स्थित छोटी गैस एजेंसी द्वारा लगातार कई महीनों से उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडरों की होम डिलेवरी न कर पूरी तरह से परेशान किया जा रहा था इसकी शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल से लेकर विभाग को करने के बाद भी उन्हें कोई अभी तक राहत नहीं मिल पा रही थी लेकिन वर्तमान में जन प्रिय जिलाधिकारी झांसी गौरांग राठी के संज्ञान में आने के बाद इस समस्या को लेकर उन्होंने गुरसरांय में इस संबंध में जाँच पड़ताल के लिए एक टीम भेजी जिसकों बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपने गैस कनेक्शन नंबर सहित होम डिलीवरी न होने से लेकर कई प्रकार की समस्याओं को लेकर लिखित बयान दिए।इससे उपभोक्ताओं में उम्मीद जागी है कि अब उन्हें नियमानुसार होम डिलीवरी पर गैस उपलब्ध होगी उधर उपभोक्ताओं को तरह-तरह की हो रही परेशानियों को लेकर लग रहा है कि जनता के साथ अनियमितताओं करने वालों पर कार्यवाही के साथ होम डिलीवरी सुविधा जल्द सुनिश्चित की उम्मीदें बढ़ गई हैं। उपभोक्ताओं ने जिलाधिकारी द्वारा इस संबंध में संज्ञान लेने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए इस संबंध में तुरंत कार्यवाही की पहल की है।

एसएफजी जन कल्याण फाउंडेशन का हरित अभियान जारी, 36वां पौधा लगाया, 111 पौधों का लिया संकल्प

उरई (जालौन)। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से एसएफजी जन कल्याण फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा वृक्षारोपण अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है। संस्था ने वर्ष 2026 में ट्री गार्ड सहित 111 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में रविवार को छह नए पौधों का रोपण किया गया, जिसके साथ अभियान के तहत लगाए गए पौधों की संख्या बढ़कर 36 हो गई।

रविवार सुबह फाउंडेशन के सदस्यों ने शहर के एक सड़क डिवाइडर पर पांच पौधे लगाए। इसके बाद रितेश राजपूत के आवास के बाहर बाँस से निर्मित ट्री गार्ड लगाकर अशोक का पौधा रोपित किया गया। संस्था का कहना है कि केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। इसी वजह से प्रत्येक पौधे को ट्री गार्ड से सुरक्षित किया जा रहा है, ताकि वह भविष्य में एक विशाल वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

फाउंडेशन के प्रबंधक सुमित कुमार ने बताया कि संस्था का प्रयास लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें वृक्षारोपण से जोड़ना है। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या अन्य विशेष अवसरों पर पौधारोपण कर इन पलों को यादगार बनाने के साथ प्रकृति के संरक्षण में भी योगदान दें। इच्छुक लोग एसएफजी जन कल्याण फाउंडेशन के माध्यम से ट्री गार्ड सहित पौधारोपण करवा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि हरित और स्वच्छ भारत का सपना जनसहभागिता से ही साकार हो सकता है। इसलिए संस्था ने नागरिकों से इस अभियान में श्रमदान और आर्थिक सहयोग करने की भी अपील की है। इस अवसर पर फाउंडेशन के प्रबंधक सुमित कुमार, उपाध्यक्ष प्रखर गौतम, अरुण पुरवार, नवीन त्रिपाठी, रितेश राजपूत, आय-व्यय निरीक्षक आशीष कुमार एवं अर्विद सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्था ने विश्वास जताया कि जनसहयोग से वर्ष 2026 में 111 पौधों के वृक्षारोपण का लक्ष्य निश्चित रूप से पूरा किया जाएगा।

मुसलमानों की मॉब लिंचिंग व धार्मिक स्थलों पर हमलों के विरोध में 12 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

उरई (जालौन)। संविधान, सामाजिक न्याय, धार्मिक स्वतंत्रता एवं नागरिक समानता की रक्षा तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित किए जाने की घटनाओं के विरोध में विभिन्न मांगों को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार कदौरा ने अपने साथियों के कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन के सौंपते हुए कहा कि देश के वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक परिदृश्य में संविधान के मूल सिद्धांतों, सामाजिक सौहार्द और नागरिक समानता पर हो रहे आघातों पर चिंता जताते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के नोटिस को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। कहा गया कि किसी भी विवाद का समाधान संवाद और उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए तथा महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही संविधान विरोधी कानूनों को वापस लेने, सीएए/यूसीसी/वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 जैसे कानूनों पर पुनर्विचार करने तथा संविधान के मूल ढांचे और बहुलतावादी पहचान की रक्षा की मांग की गई। ज्ञापन में धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 27, 28 और 29 का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पूजा, प्रबंधन, शिक्षा और संस्कृति के संवैधानिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप रोकने की मांग भी उठाई गई।

ज्ञापन में कहा गया कि देश में सामाजिक सौहार्द, धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिक समानता बनाए रखने के लिए सरकार को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए तथा अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।इस मौके पर प्रमुख रूप से बहुजन मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामबाबू चौधरी, भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार कदौरा के नेतृत्व में हरिओम प्रकाश कुशवाहा, बीआर कुशवाहा, आशाराम चौधरी, अमर सिंह, सत्यनारायण, एल. आर. अटल, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

राजेन्द्र नगर के जर्जर मार्ग की मरम्मत व पक्कीकरण की मांग

क्रासर-- मुहल्ला वासियों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा प्रार्थना पत्र

उरई (जालौन)। शहर के राजेन्द्र नगर वार्ड नंबर 21 में वन विभाग के पीछे मोहल्ले के मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर मोहल्लेवासियों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर सड़क की शीघ्र मरम्मत एवं पक्कीकरण कराए जाने की मांग की है। मुहल्ले के ही राधेलाल पाल, सुरेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, लखपत, मेहताब सिंह, जितेंद्र कुमार, विशाल चौधरी, विजय वर्मा आदि ने अपर जिलाधिकारी को बताया कि उनके आवागमन के लिए करमेर रोड और वन विभाग के पीछे से गुजरने वाला यही एकमात्र मुख्य मार्ग है। वर्तमान में सड़क पूरी तरह गड्ढायुक्त और जर्जर हो चुकी है। बरसात के कारण मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढों के साथ कीचड़ हो गया है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मोहल्लेवासियों के अनुसार, सड़क की खराब हालत के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को पैदल चलने में भी दिक्कत हो रही है। स्कूली बच्चों के आवागमन के दौरान वाहन फिसलने और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं रात के समय तथा आपातकालीन स्थिति में बाहरी वाहन और ई-रिक्शा भी इस मार्ग से निकलने में असमर्थ रहते हैं।

उन्होंने बताया कि सड़क खराब होने के कारण करीब 200 से 300 परिवार प्रतिदिन परेशानी झेल रहे हैं। मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मार्ग का शीघ्र सर्वे कराकर उसकी मरम्मत एवं पक्कीकरण कराया जाए, ताकि लोगों को आवागमन की समस्या से राहत मिल सके।

बरसात में सड़क पर नहीं दिखना चाहिए एक भी निराश्रित गोवंश, गौ संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी - जिलाधिकारी

क्रासर-- मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अधिक से अधिक गोवंश सुपुर्दगी के निर्देश, गोशालाओं में चारा, पानी व साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर

उरई (जालौन)।जनपद में गौ संरक्षण एवं गौ संवर्धन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार से वर्चुअल बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा नोडल अधिकारी (जिला विकास अधिकारी) को निर्देशित करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में जनपद की किसी भी सड़क पर एक भी निराश्रित गोवंश दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि कहीं भी गोवंश सड़क पर घूमता मिला तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन गौशालाओं का मर्जर किया गया है, वहां समस्त गोवंशों का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी गोवंश गौशाला से बाहर न निकलने पाए। सभी गौशालाओं में नियमित साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, हरे चारे, भूसे, चना, चोकर सहित अन्य आवश्यक पशु आहार की पर्याप्त उपलब्धता हर समय बनी रहे, जिससे गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अजनारी बड़ा में बंद पड़ी गौशाला को दोबारा शुरू कराने की मांग

क्रासर-- ग्राम प्रधान साधना पति ने डीएम को सौंपा शिकायती पत्र

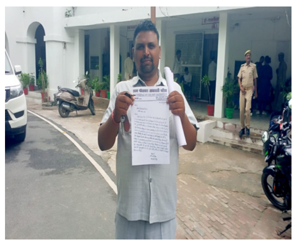

उरई (जालौन)। डकोर विकासखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत अजनारी बड़ेरा की प्रधान साधना पति ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेंट कर गांव में बंद पड़ी गौशाला को पुनः शुरू कराने की मांग की है। प्रधान ने पत्र में बताया कि विगत दिनों आंधी-तूफान के कारण गौशाला के टीनशेड उड़ गए थे, जिससे गौशाला क्षतिग्रस्त हो गई और वर्तमान में बंद पड़ी है। इसके चलते गांव में आवारा गोवंश की संख्या लगातार बढ़ रही है जिससे क्षेत्र का किसान परेशान हैं।

प्रधान पति के अनुसार आवारा गोवंश किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं तथा ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में गौवंश की संख्या अधिक होने के कारण समस्या गंभीर होती जा रही है। प्रधान साधना पति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि अजनारी बड़ेरा की बंद पड़ी गौशाला को पुनः चालू कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि आवारा गोवंश को संरक्षित किया जा सके और किसानों को फसल नुकसान से राहत मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत अजनारी बड़ेरा के आसपास कोई गौशाला नहीं है जिसको चालू करवायें जाने की मांग उठाई है जिससे निकट भविष्य में किसी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो सके और सही तरीके से गौवंशो का संरक्षण किया जा सके।

जनभागीदारी निधि में 9.50 लाख की अनियमितता का आरोप,एबीवीपी ने खोला मोर्चा; 15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी।

बकस्वाहा कॉलेज की जनभागीदारी निधि पर घमासान,आर टी आई के दस्तावेजों के आधार पर एबीवीपी ने उठाए सवाल,प्राचार्य ने आरोपों को किया खारिज।

प्रशांत जैन बड़ा मलहरा

बड़ा मलहरा//विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय बकस्वाहा में जनभागीदारी निधि के उपयोग को लेकर विवाद गहरा गया है।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने महाविद्यालय की प्राचार्य पर जनभागीदारी मद में लाखों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है।संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक छात्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

एबीवीपी का दावा है कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार छात्रों से शाला विकास शुल्क के रूप में जमा होने वाली जनभागीदारी निधि से लगभग 9.50 लाख रुपये अस्थायी एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन के रूप में खर्च किए गए। परिषद का आरोप है कि यह व्यय जनभागीदारी निधि के निर्धारित प्रावधानों के विपरीत है। इसके साथ ही जनभागीदारी समिति के प्रस्ताव के बिना कथित रूप से लाखों रुपये के फर्जी बिलों के माध्यम से भुगतान करने तथा राष्ट्रीय पर्व,खेलकूद,टेंट एवं अन्य मदों में भी नियमों के विरुद्ध खर्च किए जाने के आरोप लगाए गए हैं।

ज्ञापन में एबीवीपी ने उल्लेख किया कि 20 फरवरी 2015 के मध्यप्रदेश राजपत्र के अनुसार जनभागीदारी निधि का उपयोग केवल भवन निर्माण,मरम्मत,अधोसंरचना विकास एवं आवश्यक सामग्री क्रय जैसे छात्रहित के कार्यों में किया जा सकता है।ऐसे में कर्मचारियों के वेतन सहित अन्य मदों में राशि खर्च किया जाना नियमों का उल्लंघन बताया गया है।

परिषद ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने,दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा छात्रों से प्राप्त शाला विकास शुल्क की राशि पुनः जनभागीदारी खाते में जमा कराने की मांग की है ताकि उसका उपयोग छात्र सुविधाओं के विकास में किया जा सके।

ज्ञापन सौंपने के दौरान भाग संयोजक राहुल प्रजापति,नगर अध्यक्ष विवेक वाल्मीक,नगर मंत्री निधि परिहार,नगर उपाध्यक्ष शिवम परिहार,गोपाल पटेल,अंशिका कुदरिया,प्रियंका अहिरवार,आशिक प्रजापति सहित बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्या बोले जिम्मेदार-तहसीलदार सुनील केवट ने बताया कि ज्ञापन प्राप्त हो गया है और मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पुष्पा सामवेदी ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि जनभागीदारी मद से आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नियमानुसार किया गया है तथा अन्य सभी व्यय भी नियमों के अनुरूप हुए हैं।उन्होंने बताया कि पूरे मामले की लिखित जानकारी पूर्व में ही एसडीएम कार्यालय को भेजी जा चुकी है।

दैनिक सिद्धि सरकार के लिए स्वामी मुद्रक प्रकाशक अखिलेश कुमार द्वारा परशुराम एसोसिएट एंड कानन ड्रीम प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहर रोड आजादपुरा ललितपुर उत्तर प्रदेश से छपरा कर 91 मसरा खुर्द ललितपुर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित संपादक अखिलेश कुमार चौबे
email id.siddhisarkar@ gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ललितपुर होगा)मो.न.. 9793 444 829 ,9044133894